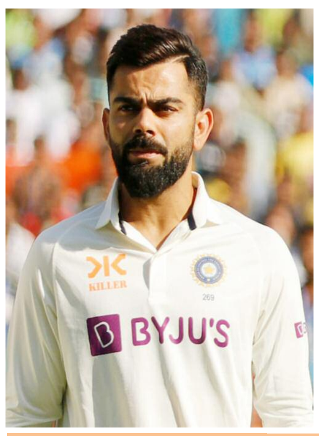

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

विराट कोहली ने रचा इतिहास, सभी फॉर्मेट में 900 रेटिंग अंक छूने वाले पहले बल्लेबाज बने -पेज: 7

रिलेशनशिप में मिले इन अनुभवों से शादी से डरती हैं श्रुति हासन..... -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 98 | गुरुवार 17 जुलाई 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

मोदी कैबिनेट से पीएम धन-धान्य कृषि योजना को मंजूरी, जानिए कैसे मिलेगा करोड़ों किसानों को फायदा

नई दिल्ली (एजेंसी): पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसान अपनी 20 वीं किस्त का इंतजार कर ही रहे थे कि केंद्रीय कैबिनेट ने 24,000 करोड़ रुपये प्रति वर्ष के परिव्यय के साथ 36 योजनाओं को मिलाकर पीएम धन-धान्य कृषि योजना को मंजूरी दे दी। इन योजनाओं से 1.7 करोड़ किसानों को फायदा पहुंचेगा। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसकी घोषणा की है। छह साल के लिए मंजूरी,100 कृषि जिले किए जाएंगे विकसित कैबिनेट ने बुधवार को छह साल की अवधि के लिए प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना को मंजूरी दे दी। यह योजना 24,000 करोड़ रुपये के वार्षिक परिव्यय के साथ 100 जिलों को कवर करेगी। इसके तहत 100 कृषि जिले विकसित किए जाएंगे। केंद्रीय बजट में घोषित यह कार्यक्रम 36 मौजूदा योजनाओं को एकीकृत करेगा और फसल विविधीकरण और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने को बढ़ावा देगा। केंद्रीय मंत्रिमंडल में लिए गए निर्णय की जानकारी साझा करते हुए, सूचना एवं प्रसारण मंत्री

पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 20वीं किस्त का इंतजार कर रहे किसानों के लिए खुशखबरी है। केंद्रीय कैबिनेट ने 24000 करोड़ रुपये के परिव्यय वाली पीएम धन-धान्य कृषि योजना को मंजूरी दी है।

अश्विनी वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना फसल कटाई के बाद भंडारण क्षमता बढ़ाएगी, सिंचाई सुविधाओं में सुधार करेगी और कृषि उत्पादकता को बढ़ाएगी। इस कार्यक्रम से 1.7 करोड़ किसानों को मदद मिलने की संभावना है। क्या है पीएम धन-धान्य कृषि योजना? केंद्रीय बजट 2025-26 में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए पीएम धन-धान्य कृषि योजना की घोषणा की थी, जिसे अब कैबिनेट की मंजूरी मिली है। इसके तहत कृषि जिलों का विकास किया जाएगा। यह योजना निम्न उत्पादकता, फसलों की कम बुआई वाले और औसत से कम ऋण उपलब्धता वाले 100 जिलों को टारगेट करेगी। यह योजना भारतीय कृषि को आधुनिक बनाने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण के साथ चरणबद्ध तरीके से लागू की जाएगी। योजना के तहत फसल विवधीकरण, टिकाऊ और जलवायु-लचीली खेती पर फोकस रहेगा। इसके अलावा फसल के बाद भंडारण क्षमता को बढ़ाना और टेक्नोलॉजी में सुधार लाने पर भी जोर रहेगा। पीएम धन-धान्य कृषि योजना का मकसद कृषि क्षेत्र में कम रोजगार का समाधान, कौशल उन्नयन, निवेश और प्रौद्योगिकी के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विकास हेतु ग्रामीण सम्पन्नता और स्थिति अनुकूलन निर्माण करना है। वहीं दालों में आत्मनिर्भरता के लिए छह वर्षीय 'दलहनों में आत्मनिर्भरता मिशन', जलवायु अनुकूल बीज विकसित करने पर जोर, उपज भंडारण में सुधार, किसानों को समुचित मूल्य सुनिश्चित करने का लक्ष्य है। इसके अलावा केंद्रीय बजट में सब्जियों और फलों का उत्पादन बढ़ाने, सक्षम आपूर्ति सुनिश्चित करने, प्रसंस्करण और किसानों को समुचित मूल्य सुनिश्चित करने की योजना है इसके साथ ही सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ग्रामीण ऋण कोर विकसित किया जाएगा। शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष से वापसी पर कैबिनेट ने पास किया प्रस्ताव कैबिनेट बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, "आज केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आईएसएस (अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन) से ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की वापसी पर एक प्रस्ताव पारित किया है। यह पूरे देश के लिए

'सोनिया गांधी को 500 करोड़ रुपये न भिजवाए तो, पूर्व सीएम हुड्डा ने भाजपा नेता को भिजवाया नोटिस

पंचकूला। बंगाल के भाजपा नेता एवं पूर्व सांसद अर्जुन सिंह द्वारा हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर आरोप लगाना भारी पड़ गया। भूपेंद्र हुड्डा ने सुप्रीम कोर्ट के दो वकीलों के माध्यम से पूर्व सांसद को नोटिस भिजवाया है। हुड्डा ने यह नोटिस अर्जुन सिंह के उस आरोप और बयान पर भिजवाया, जिसमें वे आठ जुलाई को सोशल मीडिया पर प्रसारित एक वीडियो में यह कहते हुए सुनाई दे रहे हैं कि हुड्डा अगर हर महीने 30 तारीख तक सोनिया गांधी को 500 करोड़ रुपये नहीं पहुंचाएं तो उनकी नौकरी (सीएम की कुर्सी) चली जाएगी। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने भाजपा के पूर्व सांसद अर्जुन सिंह के इस बयान पर कड़ी नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने अर्जुन सिंह को भेजे आठ पेज के नोटिस में सात दिनों के भीतर माफी मांगने और अपने बयान को वापस लेने का आग्रह किया है। सात दिनों के भीतर माफी मांगें हुड्डा के वकीलों ने कहा कि यदि सात दिनों के भीतर पूर्व सांसद की ओर से माफी नहीं मांगी जाती तो क्रिमिनल और सिविल केस दायर किया जाएगा।

कांवड़ यात्रा पर दिग्विजय सिंह बोले- एक देश दो कानून, लोग बोले- इसी सोच के कारण तो कांग्रेस डूबी

भोपाल (एजेंसी): मध्य प्रदेश में कांवड़ यात्रा को लेकर एक नया विवाद खड़ा हो गया है. कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक तस्वीर साझा कर कांवड़ यात्रा पर टिप्पणी की है। इस पोस्ट में एक तरफ सड़क पर फैले हुए कांवड़ यात्रियों को दिखाया गया है, वहीं दूसरी तरफ नमाज पढ़ रहे लोगों को पुलिस द्वारा हटाते हुए दिखाया गया है। इस तस्वीर के साथ दिग्विजय सिंह ने कैप्शन में लिखा है, "एक देश दो कानून।" दिग्विजय सिंह के इस पोस्ट पर सोशल मीडिया पर तुरंत प्रतिक्रियाएँ आनी शुरू हो गईं। पोस्ट के साझा होने के महज 5 घंटे के अंदर ही 200 से ज्यादा लोगों ने इस पर टिप्पणी की और 100 से ज्यादा बार

इसे री-शेयर किया गया। कुछ यूजर्स ने दिग्विजय सिंह की आलोचना करते हुए कांग्रेस की नीतियों पर सवाल उठाए हैं। एक यूजर ने लिखा, "कांग्रेस इसी सोच के कारण तो डूबी है।." एक अन्य यूजर ने टिप्पणी की, "इसीलिए लोग गरियाते हैं. संभवतः यह पूरे देश में कांवड़ यात्रा की इस तरह की पहली तस्वीर है। फिर भी हिंदू समाज इसे गलत मानने में गुरेज नहीं करेगा। दूसरी तरफ नमाज पढ़ने की जो कि पूरे देश और दुनिया की हर दिन देखी जाने वाली तस्वीर है जिसे मुस्लिम समुदाय हमेशा सही ठहराते नजर आता है। फिर भी कांग्रेस को तुष्टिकरण का कीड़ा काट लेता है। यूजर ने आगे वक़्फ बोर्ड और मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड का उदाहरण देते हुए "एक देश दो कानून" की बात पर कांग्रेस को घेरा और इसे "तुष्टिकरण की देन" बताया. रणधीर सिंह नामक एक यूजर ने कांग्रेस को सत्ता से बाहर रहने का कारण बताते हुए कहा, "इसलिए कांग्रेस मध्य प्रदेश में 3 बार से सत्ता से बाहर है. असल मुद्दों पर सरकार को नहीं घेरते, बस यही करते हैं। समर्थन में भी आए यूजर्स- कुछ यूजर्स दिग्विजय सिंह के समर्थन में भी खड़े हुए. शेख मुजीब नामक यूजर ने दिग्विजय सिंह का बचाव करते हुए लिखा, "आपकी सच्चाई रास नहीं आएगी लोगों को. धमानंदता का युग है, दिमाग में गोबर भरा कुछ लोगों के, इसलिए अपने लिए अलग दूसरों के लिए अलग।" यह टिप्पणी दिखाती है कि समाज में इस मुद्दे पर अलग-अलग विचार हैं।

राहुल गांधी और खरगे ने पीएम मोदी को लिखा पत्र, जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी): कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी तथा राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक संयुक्त पत्र लिखकर केंद्र सरकार से जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने और लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग की है। उन्होंने पत्र में लिखा, "हम सरकार से आग्रह करते हैं कि वह संसद के आगामी मानसून सत्र में केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने के लिए एक विधेयक लाए। इसके अलावा, हम सरकार से यह भी अनुरोध करते हैं कि वह केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने के लिए

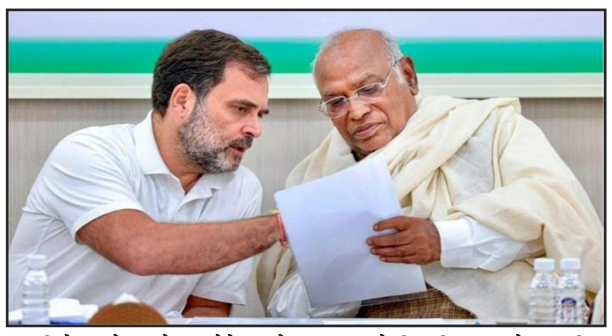

एक विधेयक पेश करे। उन्होंने पत्र में कहा कि पिछले पांच वर्षों से जम्मू-कश्मीर के लोग राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग कर रहे हैं। यह न केवल एक जायज मांग है, बल्कि उनका संवैधानिक और लोकतांत्रिक अधिकार भी है। उन्होंने इस तथ्य पर भी जोर दिया कि यह आजाद भारत का पहला मामला है, जब एक पूर्ण राज्य को विभाजित कर केंद्र शासित प्रदेश में बदला गया है। राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे ने पत्र में प्रधानमंत्री मोदी के पिछले बयानों का हवाला देते हुए लिखा, "आपने स्वयं कई मौकों पर राज्य का दर्जा बहाल करने की प्रतिबद्धता जाहिर की है। 19 मई 2024 को भुवनेश्वर में दिए गए एक साक्षात्कार में आपने कहा था कि 'राज्य का दर्जा बहाल करना हमारा वादा है और हम इस पर कायम हैं।' 19 सितंबर 2024 को श्रीनगर में एक रैली को संबोधित करते हुए भी आपने यही बात दोहराई थी। इसके अलावा, केंद्र सरकार ने अनुच्छेद 370 से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय में भी यही आश्वासन दिया था कि जम्मू-कश्मीर को जल्द से जल्द राज्य का दर्जा वापस दिया जाएगा।" लद्दाख के मुद्दे पर नेताओं ने कहा कि संविधान की छठी अनुसूची में लद्दाख को शामिल करने से वहां के लोगों की सांस्कृतिक, विकासात्मक और राजनीतिक आकांक्षाओं को मजबूती मिलेगी। साथ ही, इससे उनकी भूमि, पहचान और अधिकारों की भी रक्षा सुनिश्चित की जा सकेगी।

कांग्रेस का बब्बर शेर असम सीएम को जेल भेजेगा, चायगांव रैली में बोले राहुल गांधी, हिमंता ने पूछा- खुद तो खुद जमानत पर हैं

असम (एजेंसी): असम के चायगांव में एक भाषण में ग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा पर एक निर्वाचित राज्य प्रमुख के बजाय एक सम्राट की तरह व्यवहार करने का आरोप लगाया। राहुल ने कहा कि ग्रैंड ओल्ड पार्टी का बब्बर शेर उन्हें जेल भेज देगा। राहुल ने बुधवार को अपने दौरे के दौरान पार्टी कार्यकताओं को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि यहां के सीएम खुद को सीएम नहीं, बल्कि असम का राजा समझते हैं और असम के राजा 24 घंटे आपके पैसे, जमीन अंबानी या अडानी को देने में व्यस्त रहते हैं। भाजपा नीत राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए गांधी ने आगे कहा, "अगर आप उन्हें टीवी पर सुनेंगे, तो उनकी आवाज में डर साफ दिखाई देगा। वो बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, चिल्लाते हैं, लेकिन अगर आप टीवी पर उनका चेहरा देखें, तो उनकी आवाज में डर साफ दिखाई देगा, क्योंकि उन्हें पता

है कि एक दिन कांग्रेस के शेर उन्हें जेल भेज देंगे। उन्हें पता है कि उन्होंने जो भ्रष्टाचार किया है, उसका उन्हें असम की जनता को जवाब देना होगा... कुछ समय में वो जेल जाएँगे, उन्हें कोई नहीं बचा सकता... न तो प्रधानमंत्री मोदी और न ही अमित शाह उन्हें बचा पाएँगे। गांधी की टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने दावा किया कि कांग्रेस नेता ने राज्य कांग्रेस राजनीतिक मामलों की समिति के साथ एक बंद कमरे में हुई बैठक में दोहराया था कि मुख्यमंत्री को निश्चित रूप से जेल भेजा जाएगा। एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लेते हुए, सरमा ने लिखा, इसे लिखित में लें, हिमंत बिस्वा सरमा को निश्चित रूप से जेल भेजा जाएगा - ये वही शब्द थे जो विपक्ष के नेता, राहुल गांधी ने असम में कांग्रेस राजनीतिक मामलों की समिति के साथ अपनी बंद दरवाजे की बैठक के दौरान कहे थे। मुख्यमंत्री सरमा ने इस बयान को राहुल की दुर्भावना और राजनीतिक प्रतिशोध की भावना बताया।

कल के हथियारों से आज का युद्ध नहीं जीता जा सकता, ऑपरेशन सिंदूर पर सीडीएस अनिल चौहान का बयान

नई दिल्ली (एजेंसी): चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने हाल के संघर्षों में ड्रोन की ताकत का जिक्र करते हुए कहा कि ये छोटे-छोटे हथियार जंग में पासा पलट सकते हैं। मानेकशॉ सेंटर में आयोजित एक कार्यक्रम में अपने संबोधन में जनरल चौहान ने यह भी कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने यह दिखा दिया है कि हमारे भूभाग और हमारी जरूरतों के लिए निर्मित स्वदेशी मानवरहित हवाई प्रणालियां (यूएएस) और सी-यूएएस क्यों महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने खुलासा किया कि कैसे पाकिस्तान ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बिना हथियार वाले ड्रोन और लॉइटर मुनिशन का इस्तेमाल किया, मगर भारतीय सेना ने इनका मुंहतोड़ जवाब दिया। जनरल चौहान ने यह भी चेतावनी दी कि विदेशी तकनीक पर निर्भरता हमारी ताकत को कमजोर कर सकती है। उन्होंने कहा कि आज की जंग को कल की तकनीक से नहीं जीता जा सकता। ड्रोन और नई तकनीक अब युद्ध के मैदान में सबसे अहम हथियार बन चुके हैं। उनकी इस बात ने

साफ कर दिया कि भारत को अपनी ताकत बढ़ाने के लिए स्वदेशी तकनीक पर ध्यान देना होगा। पाकिस्तान ने किया था ड्रोन का इस्तेमाल लेकिन मुंह की खानी पड़ी जनरल चौहान ने बताया कि 10 मई को पाकिस्तान ने बिना हथियार वाले ड्रोन और लॉइटर मुनिशन का इस्तेमाल किया था। मगर इनमें से कोई भी भारतीय सेना या नागरिक ढांचे को नुकसान नहीं पहुंचा सका। भारतीय सेना ने इन ड्रोनों को काइनेटिक और गैर-काइनेटिक तरीकों से नाकाम कर दिया। यह भारत की रक्षा तैयारियों की मजबूती का सबूत है। उन्होंने यह भी कहा कि ड्रोन जैसी तकनीक अब जंग के मैदान में गेम-चेंजर बन चुकी है। छोटे-छोटे ड्रोन दुश्मन

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने कहा कि ड्रोन युद्ध में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। पाकिस्तान ने ऑपरेशन सिंदूर में ड्रोन का इस्तेमाल किया जिसका भारतीय सेना ने करारा जवाब दिया।

की स्ट्रेटेजी को चकमा दे सकते हैं। 'विदेशी तकनीक पर भरोसा नहीं, स्वदेशी ताकत जरूरी' सीडीएस ने चेतावनी दी कि अगर हम जरूरी मिशनों के लिए विदेशी तकनीक पर निर्भर रहेंगे, तो हमारी तैयारियां कमजोर पड़ सकती हैं। उन्होंने कहा कि भारत को अपनी तकनीक खुद विकसित करनी होगी ताकि जंग के मैदान में कोई कमी न रहे। उन्होंने जोर देकर कहा, "कल के हथियारों से आज की जंग नहीं जीती जा सकती। हमें आने वाले कल की तकनीक से आज की जंग लड़नी होगी।

सिंधु जल संधि में चीन की दखलंदाजी, पाकिस्तान के लिए किया बड़ा प्लान, भारत के लिए बढ़ी चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी): भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु जल समझौता एक महत्वपूर्ण जल संधि है जो 1960 से लागू है। इसके तहत भारत तीन नदियों का पानी पाकिस्तान को देता है। लेकिन हाल ही में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने इस समझौते को अस्थायी रूप से रोक दिया। इस हमले में 26 नागरिक मारे गए थे, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे। भारत ने इस हमले के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया। इसके बाद से दोनों देशों के बीच जल संबंधी तनाव बढ़ गया है। भारत ने क्यों किया सिंधु जल समझौते को स्थगित? 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने संधि को रोक दिया। यह कदम भारत का पहला बड़ा ऐक्शन था जो इस पुराने समझौते के खिलाफ था। भारत का कहना है कि पाकिस्तान के आतंकी गतिविधियों के कारण यह कदम जरूरी हो गया है। इसके अलावा मई महीने में भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया, जिसमें पीओके और पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर हमला किया गया। इस ऑपरेशन में पाकिस्तान के 11 एयरबेस निशाना बनाए गए। हालांकि 10 मई को दोनों पक्षों ने संघर्ष रोकने पर सहमति जताई, पर जल समझौते का भविष्य अभी भी अनिश्चित है। चीन की एंट्री और पाकिस्तान की मजबूरी भारत-पाकिस्तान के बीच

जल विवाद के बीच पाकिस्तान ने चीन से मदद मांगी है। चीन ने पाकिस्तान के लिए सिंधु नदी की सहायक नदी पर मोहमंद हाइड्रो प्रोजेक्ट को तेजी से पूरा करने का फैसला किया है। यह प्रोजेक्ट पाकिस्तान के कई हिस्सों को पानी और बिजली देगा। चीन का यह कदम पाकिस्तान की रणनीतिक और कूटनीतिक मदद के रूप में देखा जा रहा है। चीन का क्षेत्र में प्रभाव बढ़ाने का यह भी प्रयास माना जा रहा है ताकि वह भारत को कमजोर कर सके। चीन की भूमिका पर भारत को गंभीर चिंता है। क्योंकि सिंधु नदी का स्रोत चीन के तिब्बत क्षेत्र में है, चीन यहां से पानी की आपूर्ति को नियंत्रित कर सकता है। यदि चीन ने नदियों के प्रवाह को कम या रोक दिया तो भारत के जल संसाधनों पर बड़ा संकट आ सकता है। साथ ही चीन के हस्तक्षेप से क्षेत्रीय तनाव और बढ़ सकता है। भारत को डर है कि चीन जल को हथियार के रूप में इस्तेमाल कर सकता है। पाकिस्तान की अधिकतर आबादी सिंधु बेसिन क्षेत्र में रहती है, जबकि भारत में इसकी संख्या कम है। इसके कारण पाकिस्तान का जल संकट गहरा है। सिंधु जल संधि की शर्तें पाकिस्तान के लिए काफी उदार हैं। भारत को संधि के तहत सिंधु जल का लगभग 25 प्रतिशत हिस्सा मिलता है। सिंधु जल संधि स्थगित होने के कारण पाकिस्तान बुरी तरह प्रभावित हुआ है और वह चीन की मदद से अपनी जल जरूरतों को पूरा करने की कोशिश कर रहा है। चीन और पाकिस्तान ने मिलकर सिंधु जल की सहायक नदियों पर नए जल विद्युत और बांध परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाना शुरू कर दिया है। इससे पाकिस्तान को जल और ऊर्जा के क्षेत्र में स्थिरता मिलेगी। चीन ने मीडिया के जरिए भारत को आक्रामक बताया है और जल को हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की चेतावनी दी है। चीन की यह रणनीति भारत के लिए एक नई चुनौती है।

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले एक बड़ा फैसला लेते हुए, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली कैबिनेट ने अगले पांच वर्षों में राज्य के युवाओं को एक करोड़ नौकरियां और रोजगार के अवसर प्रदान करने...

संपादकीय

बेलगाम नहीं आजादी

नागरिकों को भाषण एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की अहमियत समझनी चाहिए और आत्म-नियमन का पालन करना चाहिए। देश के हर नागरिक को उच्चतम न्यायालय की इस नसीहत पर अमल करना चाहिए। आत्म नियमन के अभाव में कई बार इस आजादी के नाम पर अपमानजनक काम हो जाते हैं चाहे वह कोई रचना हो या टिप्पणी। ऐसे काम समाज को दूषित कर सकते हैं या वैमनस्य बढ़ा सकते हैं। स्थिति आगे बढ़कर विभाजनकारी सोच को मजबूत करते हुए साम्प्रदायिक सौहार्द को भी बिगाड़ सकती है। ऐसी स्थिति की पूर्व कल्पना किसी भी काम से पहले कर लेनी चाहिए। न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति के वी विनाथन की पीठ वजाहत खान नामक व्यक्ति की याचिका पर सुनवाई कर रही है। खान पर सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्न पर एक हिन्दू देवता के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट करने का आरोप है। उसके खिलाफ पश्चिम बंगाल समेत कई राज्यों में प्राथमिकी दर्ज हैं। खान ने एक अन्य सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर शर्मिष्ठा पनोली के खिलाफ एक वीडियो में कथित तौर पर सांप्रदायिक टिप्पणी करने के लिए शिकायत दर्ज कराई थी। खान के वकील ने शीर्ष अदालत में कहा कि ऐसे पोस्ट के जवाब में आपत्तिजनक टिप्पणियां नहीं की जानी चाहिए। न्यायालय को लगता है कि लोगों के लिए सोशल मीडिया पोस्ट पर गाइडलाइन होनी ही चाहिए। पीठ ने सवाल किया कि नागरिक स्वयं संयम क्यों नहीं रख सकते? लोगों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मोल समझना ही चाहिए। ऐसा नहीं होने की स्थिति में राज्य का हस्तक्षेप अवश्यंभावी है जो कोई नहीं चाहता। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता 100 फीसद पूर्ण अधिकार नहीं हो सकता, लेकिन नागरिक इस स्वतंत्रता का दुरुपयोग कर रहे हैं। प्रतिबंध होंगे तो सीमा से बाहर जाने पर कानून का भय रहेगा। पीठ ने संविधान के अनुच्छेद 19 (2) के तहत भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर उचित प्रतिबंधों को सही बताया। उच्चतम न्यायालय को इस बात पर भी गौर करना चाहिए कि सोशल मीडिया मंच किस तरह लोगों को हदें तोड़ने को प्रोत्साहित कर रहे हैं। किसी के भी खिलाफ कुछ भी लिख दो, अश्लील से अश्लील सामग्री पोस्ट कर दो। धर्म के खिलाफ अनर्गल पलाप कर दो, सब बिना किसी रोक के प्रकाशित हो रहा है। सबसे पहले इनकी खबर ली जानी चाहिए। धन के लिए इन्हें समाज को क्षति पहुंचाने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

चिंतन-मनन

प्रयत्न में ऊब नहीं

संसार में गति के जो नियम हैं, परमात्मा में गति के ठीक उनसे उलटे नियम काम आते हैं और यहीं बड़ी मुश्किल हो जाती है।

संसार में ऊबना बाद में आता है, प्रयत्न में ऊब नहीं आती। इसलिए संसार में लोग गति करते चले जाते हैं। पर परमात्मा में प्रयत्न में ऊब आती है और प्रयत्न पहले ही उबा देगा, तो आप रुक जाएंगे। कितने लोग हैं जो प्रभु की यात्रा शुरू भर करते हैं, पर कभी पूरी नहीं कर पाते। कितनी बार तय किया कि स्मरण कर लेंगे प्रभु का घड़ीभर! एकाध दिन, दो दिन। फिर ऊब गए। फिर छूट गया। कितने संकल्प, कितने निर्णय, धूल होकर पड़े हैं चारों तरफ! लोग कहते हैं कि ध्यान से कुछ हो सकेगा? मैं कहता हूं जरूर हो सकेगा। कठिनाई सिर्फ एक है, सातत्य! कितने दिन कर सकोगे? मुश्किल से कोई मिलता है, जो तीन महीने भी सतत कर पाता है। दस-पांच दिन बाद ऊब जाता है!

आश्चर्य है कि मनुष्य जिंदगी भर अखबार पढ़कर नहीं ऊबता, रेडियो सुनकर नहीं ऊबता, फिल्म देखकर नहीं ऊबता, रोज वही बातें करके नहीं ऊबता। ध्यान करके क्यों ऊब जाता है? आखिर ध्यान में ऐसी क्या कठिनाई है! कठिनाई एक ही है कि संसार की यात्रा पर प्रयत्न नहीं उबाता, प्राप्ति उबाती है और परमात्मा की यात्रा पर प्रयत्न उबाता है, प्राप्ति कभी नहीं उबाती। जो पा लेता है, वह फिर कभी नहीं ऊबता। बुद्ध ज्ञान के बाद चालीस साल जिंदा थे। चालीस साल किसी ने एक बार उन्हें अपने ज्ञान से ऊबते हुए नहीं देखा। कोहनूर हीरा मिल जाता चालीस साल तो ऊब जाते। संसार का राज्य मिल जाता स्न 2369 ?भूति खोकर गृह-कलह के बीज बो दिए। शक्ति के सहारे सत्ता का संचालन होता तो न रावण मारा जाता और न कौरवों को पराजय का मुंह देखना पड़ता। पिछली सदी तक भारत का शासन-सूत्र अंग्रेज संभाल रहे थे, शक्ति की उनके पास कमी नहीं थी। उनके सामने भारत छोड़ने की विवशता शक्ति की कमी से नहीं थी। ये प्रसंग प्रमाणित करते हैं कि प्रबुद्ध जनता केवल शक्ति के आधार पर शासित नहीं हो सकती।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

कोख में कत्ल होती बेटियाँ: हरियाणा की घुटती संवेदना

प्रियंका सौरभ

बेटी भ्रूण हत्या : आँकड़े नहीं, संवेदना की चीख...

हरियाणा में केवल तीन महीनों में एक हजार एक सौ चौवन गर्भपात। कारण झ्र कन्या भ्रूण हत्या की आशंका। छप्पन आशा कार्यकताओं को कारण बताओ नोटिस। निगरानी प्रणाली में चूक। पश्च परीक्षण प्रणाली और पुलिस के सहयोग से कठोर कार्यवाही की तैयारी। किन्तु क्या यह सख़्ती पर्याप्त है? जब तक समाज की सोच, पारिवारिक मानसिकता और चिकित्सा संस्थानों की नैतिकता में बदलाव नहीं आएगा, तब तक कोई योजना सफल नहीं होगी। बेटी को बचाने के लिए उसका जन्म गर्व का विषय बनाना होगा, अपराधबोध का नहीं। जिस धरती पर दुर्गा, सरस्वती और लक्ष्मी जैसी नारियों की पूजा होती है, उसी धरती पर बेटियाँ आज भी माँ की कोख में दम तोड़ रही हैं। हाल ही में आई एक रिपोर्ट ने हरियाणा की उस कड़वी सच्चाई को फिर से उजागर किया है, जिसमें तीन महीनों में एक हजार एक सौ चौवन गर्भपात दर्ज किए गए – जिनमें अधिकांश के पीछे पुत्री होने की संभावना प्रमुख कारण मानी जा रही है। यह आँकड़ा केवल एक संख्या नहीं, बल्कि हमारे समाज के भीतर छुपी पुरुषप्रधान सोच, भेदभावपूर्ण मानसिकता और शासन-प्रशासन की विफलता का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को जमीनी स्तर तक पहुँचाने के लिए आशा कार्यकताओं को सहेली की भूमिका में तैनात किया था। उनका कर्तव्य था कि वे गर्भवती महिलाओं की नियमित निगरानी करें, उनके स्वास्थ्य की देखरेख करें, और सही सलाह देकर उन्हें सहयोग प्रदान करें। किन्तु छप्पन आशा कार्यकताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाना यह दशार्ता है कि इस निगरानी प्रणाली में गम्भीर लापरवाही हुई है।

क्या ये कार्यकर्ता जानबूझकर लापरवाह थीं, या उनके पास संसाधनों की कमी थी? क्या वे सामाजिक दबाव, भय अथवा अव्यवस्था के कारण चुप रहीं? यह गहन जाँच का विषय है, क्योंकि केवल दंड देना समाधान नहीं, अपितु इस समस्या का संवेदनशील समाधान आवश्यक है। हमारे देश में गर्भधारण से पूर्व एवं पूर्व प्रसव भ्रूण परीक्षण निषेध अधिनियम के अंतर्गत भ्रूण की लिंग जाँच तथा लिंग के आधार पर गर्भपात एक दंडनीय अपराध है। परंतु यह अधिनियम केवल कागजों तक सीमित रह गया है। हरियाणा में कई स्थानों पर अवैध भ्रूण परीक्षण केंद्र, निजी चिकित्सा केंद्रों की मिलीभगत, तथा पैसे के लालच में लिंग जाँच और भ्रूण हत्या आज भी बेरोक-टोक जारी है। इन केंद्रों पर रोक लगाने हेतु बनाए गए विशेष दस्तों तथा निरीक्षण टीमों की सक्रियता केवल औपचारिकता बनकर रह गई है।

स्वास्थ्य विभाग ने गर्भपात करवाने वाली महिलाओं की पश्च परीक्षण प्रणाली को अधिक कठोर करने की घोषणा की है तथा विशेष रूप से उन महिलाओं की निगरानी बढ़ाने की बात कही है, जिनकी पहले से एक या अधिक पुत्रियाँ हैं। उद्देश्य सकारात्मक है, परंतु यदि इसे संवेदनशीलता और सम्मान के साथ लागू नहीं किया गया, तो यह कदम स्वयं महिलाओं के स्वास्थ्य अधिकारों और निजता पर प्रहार बन सकता है। क्या यह निगरानी केवल भय का वातावरण उत्पन्न करने का माध्यम बन रही है? या फिर वे महिलाएँ, जो सामाजिक दबाव में आकर गर्भपात करवाने को विवश हुईं, अब एक बार फिर पीड़िता की बजाय अपराधिनी बना दी जाएँगी?

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे नारे केवल दीवारों पर लिखे जा रहे हैं अथवा नेताओं के भाषणों में दोहराए जा रहे हैं। जमीनी सच्चाई यह है कि ग्रामीण ही नहीं, शहरी समाज भी पुत्री को आज भी एक बोझ के रूप में देखता है। दहेज, सुरक्षा, सम्मान और वंश परंपरा जैसे कुप्रथाओं के कारण बेटियाँ आज भी अवांछित हैं।

क्या केवल नारेबाजी पर्याप्त है या इस दिशा में मूलभूत सामाजिक परिवर्तन की आवश्यकता है?

कोख में हो रही बेटियों की हत्या केवल माँ या परिवार की जिम्मेदारी नहीं है। यह एक सामूहिक अपराध है, जिसमें समाज, चिकित्सा संस्थान, प्रशासनिक व्यवस्था और हम सब शामिल हैं।

जब कोई महिला दूसरी या तीसरी बार पुत्री को जन्म देने वाली होती है, तो समाज उसकी मानसिकता, पात्रता और पारिवारिक स्थिति पर कटाक्ष करता है। यही मानसिकता उस माँ को मजबूर करती है कि वह अगली बार कन्या का जन्म न होने दे – भले ही इसकी क ीमत किसी जीवन के रूप में क्यों न हो।

केवल नोटिस, निलंबन और निगरानी से यह विकराल समस्या नहीं सुलझेगी। इसके लिए आवश्यक है झ्र स्थानीय स्तर पर महिला सशक्तिकरण अभियान, पुत्रियों के जन्म पर प्रोत्साहन योजनाओं का क्रियान्वयन, जनजागृति के लिए पत्र-पत्रिकाओं, चलचित्रों और सामाजिक माध्यमों का उपयोग, पारिवारिक मुखियों को संवेदनशील बनाना, लिंग परीक्षण करने वाले चिकित्सकों पर कठोर दंडात्मक कार्यवाही, अवैध भ्रूण परीक्षण केंद्रों को बंद करना, तथा शैक्षणिक पाठ्यक्रमों में लिंग समानता की शिक्षा को समाविष्ट करना।

आशा कार्यकताओं को दंडित करना एक सतही समाधान है। असल प्रश्न यह है – क्या उन्हें आवश्यक प्रशिक्षण, संसाधन, समय पर मानदेय तथा कार्यस्थल पर सुरक्षा प्राप्त थी? जिन चिकित्सकों ने अवैध लिंग जाँच की, जिन केंद्रों ने भ्रूण हत्या करवाई, तथा जिन परिवारों ने कन्या को अस्वीकार किया – क्या उन सबको भी समान रूप से उत्तरदायी ठहराया गया?

यदि माताओं को निर्णय लेने का अधिकार देना है, तो उन्हें शिक्षा, आर्थिक स्वतंत्रता और सामाजिक सम्मान देना होगा। बेटी तभी बचेगी जब उसकी जननी स्वयं को सक्षम और सशक्त मानेगी। आज आवश्यकता है कि हम हर माँ को यह कहें – तू दुर्बल नहीं है, तेरे गर्भ में एक शक्ति पल रही है।

पश्च परीक्षण प्रणाली और पुलिसिया दबाव केवल भय का वातावरण उत्पन्न करेंगे। इनकी अपेक्षा यदि हम संवाद को प्राथमिकता दें, महिलाओं को उनके अधिकारों की जानकारी दें, तथा समाज में बेटियों के लिए सम्मान का भाव विकसित करें – तो परिणाम अधिक स्थायी और सकारात्मक होंगे।

एक हजार एक सौ चौवन गर्भपात केवल आँकड़े नहीं हैं। ये उस सामूहिक हत्या की पटकथा हैं, जो केवल इसीलिए लिखी गई क्योंकि भ्रूण स्त्रीलिंग का था। यह केवल हरियाणा नहीं, सम्पूर्ण भारत की नैतिक हार है। जब तक हम लिंग के आधार पर भेदभाव करते रहेंगे, तब तक कोई नीति, कोई योजना, कोई निगरानी प्रणाली प्रभावी सिद्ध नहीं होगी। यदि हमें सच में बेटी को बचाना है, तो सबसे पहले सोच को बदलना होगा। कानून से पहले करुणा और योजना से पहले दृष्टिकोण को बदलना होगा। अन्यथा हम एक ऐसे समाज का निर्माण कर रहे हैं, जिसमें कोखें सूनी रह जाएँगी, और सभ्यता अधूरी रह जाएगी।

स्वास्थ्य और स्वाद : समोसा और जलेबी से सावधान

ललित गर्ग

भारत जैसे विविधताओं वाले देश में जहां हर नुक्कड़ पर समोसे की महक और जलेबी की मिठास लोगों को आकर्षित करती है, वहीं यह स्वादिष्ट व्यंजन अब स्वास्थ्य के लिए खतरे की घंटी बनते जा रहे हैं।

हमारी परंपराओं और खानपान में गहराई से जुड़े समोसा, कचोरी और जलेबी जैसे तली-भुनी और अत्यधिक मीठी चीजें अब मोटापा, मधुमेह, हृदय रोग और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों का प्रमुख कारण बन गई है। इन्हीं कारणों से देशभर में एक जागरूकता अभियान शुरू करने की आवश्यकता को महसूस करते हुए जनजागृति अभियान शुरू हुआ है। तले हुए व्यंजनों के उपभोग को कम करने की दिशा में किया जा रहा यह प्रयास सराहनीय एवं बढ़ती स्वास्थ्य चिंताओं को देखते हुए क्रांति का शंखनाद है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'फिट इंडिया अभियान' के तहत तेल और चीनी का उपभोग कम करने का आह्वान किया था। केंद्र सरकार की सक्रियता से जैसे सिगरेट के पैकेट पर स्वास्थ्य चेतावनी होती है, ठीक वैसी ही चेतावनी इन तैलीय और मीठे खाद्य पदाथरे के बारे में जारी होगी। बड़े पैमाने पर इस बात का प्रचार रेडियो एवं अन्य टीवी चैनलों के माध्यमों से किया जा रहा है कि तैलीय या जरूरत से ज्यादा मीठे खाद्य पदाथरे के उपभोग से दूर रहा जाए।

मोटापे एवं अन्य असाध्य बीमारियों की गंभीर स्थिति से जुड़े चौंकाने वाले तथ्य चिंताजनक है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ चीनी और ट्रांस वसा को मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हृदय रोग के मुख्य कारणों में गिनते हैं। भारत में हर 5 में से 1 व्यक्ति मोटापे का शिकार है, और इसके पीछे मुख्य कारण अत्यधिक तला-भुना भोजन है। दुनिया में मोटापे के मामले में भारत दूसरे नंबर पर है। डब्लूएचओ के अनुसार, भारत में डायबिटीज के मरीजों की संख्या 2045 तक 13.4 करोड़ तक पहुंच सकती है, जो दुनिया में सबसे अधिक होगी। बच्चों में बढ़ती मोटापे की दर का एक बड़ा कारण स्कूलों के आसपास मिलने वाले समोसा, कचौरी, बर्गर जैसी चीजें हैं।

समोसा और कचोरी जैसी चीजों को बार-बार एक ही तेल में तला जाता है, जिससे उसमें ट्रांस फैट और कैंसरकारी तत्व (ऐकिलामाइड) पनपने लगते हैं। ये हृदय की धमनियों को सख्त कर देते हैं और कोलेस्ट्रॉल बढ़ाते हैं। जलेबी को चीनी के गाढ़े सिरप-चासनी में डुबोया जाता है, जिससे शरीर में तुरंत ग्लूकोज की मात्रा बढ़ती है। यह स्थिति इंसुलिन रेजिस्टेंस, टाइप-2 डायबिटीज और फैटी लिवर जैसी बीमारियों को न्योता देती है। समोसा और कचोरी में मैदा का अत्यधिक उपयोग होता है, जो पाचन को धीमा करता है। इससे गैस, कब्ज, अम्लपित्त और मोटापा जैसे विकार उत्पन्न होते हैं।

भारत में रसोई का अभिन्न हिस्सा है तेल, परंतु आज जिस प्रकार से हर व्यंजन में अत्यधिक तेल का प्रयोग बढ़ता जा रहा है, इससे मोटापा भारत की बड़ी स्वास्थ्य समस्या बन गई है, उसने अन्य अनेक बीमारियों को प्रोत्साहन देते हुए स्वास्थ्य संकट को जन्म दे दिया है। तले-भुने खाद्य पदार्थ जैसे समोसा, कचोरी, पकौड़ी, पूड़ी, जलेबी, फास्ट फूड, आदि मोटापा, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, मधुमेह जैसी बीमारियों का कारण बनते जा रहे हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य संस्थानों को कैफेटेरिया और सार्वजनिक स्थानों पर साफ तौर पर 'तेल और चीनी के चेतावनी बोर्ड' लगाने का निर्देश दिया गया है। ये सूचनात्मक पोस्टर खासे लोकप्रिय खाद्य पदाथरे में वसा और चीनी की मात्रा को उजागर करेंगे। तले हुए और चीनी से भरपूर खाद्य पदाथरे को हतोत्साहित करने का समय आ गया है। इसकी शुरूआत अस्पतालों में चल रहे लापरवाह रेस्तरां से होनी चाहिए। तमाम रेस्तरां और मिष्ठान भंडारों पर इस चेतावनी को लटकाना आवश्यक है। ऐसा नहीं है कि लोग समोसा या जलेबी खाना छोड़ देंगे, पर उनमें सजगता आएगी। हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. बिमल छाजेड़ पिछले तीन दशकों से 'जीरो ऑयल' की खानपान पद्धति के माध्यम से हृदय रोगियों का प्रभावी इलाज कर उल्लेखनीय सफलता हासिल की है।

प्रधानमंत्री ने स्वस्थ जीवनशैली के सूत्र प्रस्तुत करते हुए जनता से आह्वान किया है कि तेल का सीमित उपयोग करते हुए पकवानों को तलने के बजाय भूनें, उबालें या भाप में पकाएं। शारीरिक गतिविधि बढ़ाने के लिये रोजाना योग, प्राणायाम, टहलना या व्यायाम करें। खानपान में नियंत्रण सबसे बड़ा उपचार है। अतः बचाव के उपाय जरूरी हैं। पिछले दिनों, हर व्यक्ति से अपने भोजन में तेल की खपत को दस प्रतिशत तक कम करने की अपील की गई है।

कुछ लोग अवश्य सुधार की ओर बढ़े होंगे और अब

जब समोसे, जलेबी जैसे खाद्य पदाथरे पर चेतावनी रहेगी, तो खानपान में सुधार की गति को और बल मिलेगा। आज जरूरत है कि हम सिर्फ स्वाद के गुलाम न बनें, बल्कि अपने शरीर की सुनें। एक जिम्मेदार समाज वही है जो अगली पीढ़ी को स्वाद के नाम पर बीमारियां नहीं, स्वस्थ आदतें सौंपे। एक ऐसी पीढ़ी तैयार हो रही है, जो स्वाद के पीछे स्वास्थ्य को त्याग रही है। यह चेतावनी नहीं, चेतना का संदेश है कि यदि अब भी नहीं सुधरे, तो आने वाली पीढ़ियां बीमारियों से जूझती रहेंगी। गुणवत्ता सुनिश्चित करने वाले महकमों और अधिकारियों को युद्ध स्तर पर सक्रिय होना पड़ेगा, तभी हम फिट इंडिया के ख्वाब को साकार कर पाएंगे।

जवाबदेही और मानव अधिकारों के प्रति वैश्विक प्रतिबद्धता का प्रतीक है न्याय

वैश्विक स्तरपर एक दो दशक से जिस तरह संगठित अपराधोंकी संख्या में अंतरराष्ट्रीय राष्ट्रीय, राज्य स्तरीय व स्थानीय समूह की गतिविधियों में वृद्धि हुई है इसे गंभीरता से रेखांकित करना समय की मांग है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि उनके संगठित अपराधों को अगर हम वर्तमान परिपेक्ष में देखें तो जांचएजेंसियों द्वारा आजकल अपराध की थ्योरी को अन्तर्राष्ट्रीय एंगल से जांच करने की थ्योरी भी अपनाई जाती है जिस तरह से वर्तमान में रूस-यूक्रेन इजराइल हमास युद्ध, व अनेक देशों के स्थानीय लोकल स्तरोंपर मानवीय अधिकार हनन अपराध चर्चा में आ रहा है व विशेष रूप से युद्ध अपराध चर्चा में आया हैं, युद्ध अपराध के लिए विशिष्ट अन्तर्राष्ट्रीय मानक मौजूद हैं, सहित अनेक केसों की तारें विदेशों तक जुड़ी हुई है। एक आपराधिक संगठन को हम गिरोह, माफिया, भीड़, सिंडीकेट, अंडरवर्ल्ड या गैंग्लैंड भी कह सकतें है, जिसमें अनेक अपराध जैसे सफेदपोश अपराध, वित्तीय अपराध, राजनीतिक अपराध, युद्ध के अपराध सहित अनेक परिभाषित अपराधों को शामिल किया जा सकता है जो अंतरराष्ट्रीय कनेक्टेड होते हैं इसीलिए आज हम ऐसे अपराधों और न्याय पर चर्चा करेंगे जो अंतरराष्ट्रीय श्रेणी में आते हैं उनके पीड़ितों को न्याय दिलाने, दुनियाँ भर में हो रहे गंभीर अपराधों पर रोक लगाने विश्व को अंतर्राष्ट्रीय अपराधों से सचेत रहने के प्रति जागरूक करने के संबंध में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में उपलब्ध जानकारी के आधार पर अंतरराष्ट्रीय न्याय दिवस 17 जुलाई 2025 के उपलक्ष में इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम आज की दुनिया में विश्व अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस 2025 की प्रासंगिकता की करें तो (1) राजनीतिक संघर्षों, युद्ध अपराधों और असंख्य मानवाधिकार उल्लंघनों के इस युग में, विश्व अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस की प्रासंगिकता आज भी बनी हुई है। (2)यह विश्वव्यापी स्तर पर एक पर्याप्त रूप से सुदृढ़ अंतर्राष्ट्रीय कानूनी व्यवस्था की आवश्यकता की ओर ध्यानआकर्षित करता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि नरसंहार, युद्ध अपराधों और मानवता के विरुद्ध अपराधों के लिए ज़िम्मेदार, बिना जवाबदेही के न बच सकें। (3) यूक्रेन, गाजा और अफ्रीका के कुछ हिस्सों में उभर रहे संकटों को देखते हुए, अंतर्राष्ट्रीय न्याय एक महत्वपूर्ण तंत्र है जो आम नागरिकों की रक्षा करता है और आगे होने वाले अत्याचारों को प्रभावी रूप से रोक सकता है। (4) यह अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) जैसी संस्थाओं और न्याय प्रशासन में राज्यों के बीच सहयोग के महत्व को भी उजागर करता है। (5) ऐसे युग में जहाँ बहुपक्षवाद और कानून के शासन को बढ़ती चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, यह स्मरणोत्सव शांति, जवाबदेही और पीड़ितों के अधिकारों के प्रति वैश्विक निष्ठा की याद दिलाता है। (6) इसलिए यह एक ऐसी न्यायपूर्ण दुनिया की दिशा में प्रेरणा देता है जहाँ न्याय सीमाओं और राजनीतिक हितों से परे जाकरसख़्ती से लागू हो।

साथियों बात अगर हम विश्व अंतरराष्ट्रीय न्याय दिवस मनाने के उद्देश्यों की करें तो, (1) विश्व अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्याय के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उसे बढ़ावा देना तथा दुनिया में सबसे गंभीर अपराधों के लिए दंड से मुक्ति के विरुद्ध संघर्ष करना है (2) यह अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (ICC) जैसे कानूनी तंत्रों के माध्यम से नरसंहार, युद्ध अपराधों और मानवता के विरुद्ध अपराधों के कुख्यात अपराधियों को जवाबदेह बनाने की आवश्यकता पर बल देता है। (3) यह दिवस मानवाधिकारों की सुरक्षा, कानून के शासन को बनाए रखने और पीड़ितों को न्याय सुनिश्चित करने पर भी ध्यान केंद्रित करता है। (4) इसलिए यह अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को सहयोग और ठोस अंतर्राष्ट्रीय कानूनी ढाँचों के माध्यम से एक अधिक न्यायपूर्ण और निष्पक्ष विश्व के निर्माण हेतु मिलकर काम करने की याद दिलाता है।

साथियों बात अगर हमअंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) को समझने की करें तो-परिचय (1) यह विश्व का पहला स्थायी, स्वतंत्र और अंतर्राष्ट्रीय न्यायाधिकरण है जो उन व्यक्तियों पर मुकदमा चलाता है जिन्होंने अत्यंत गंभीर अपराध किए हों। (2) इसमें चार प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय अपराधों को सम्मिलित किया गया है- नरसंहार युद्ध संबंधी अपराध, मानवता के विरुद्ध अपराध तथाआक्रामकता से संबंधित अपराध। (3) इस न्यायालय का मुख्यालय हेग, नीदरलैंड्स में स्थित है और यह जुलाई 2002 से कार्य कर रहा है। (4) भारत ने अभी तक रोम संविधि पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं, अतः वह आईसीसी का सदस्य नहीं है। (5) भारत का मानना है कि आईसीसी की कुछ धाराएं उसकी राष्ट्रीय संप्रभुता, सैन्य कार्रवाई और आंतरिक सुरक्षा नीतियों के लिए बाधक हो सकती हैं। (6) भारत यह भी आशंका जताता हैकि आईसीसी पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के वीटोयुक्त देशों का अत्यधिक प्रभाव है, जिससे निष्पक्षता प्रभावित हो सकती है। साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के ढांचे की करें तो, संयुक्त राष्ट्र सेसंबंधित अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय का मुख्यालय द हेग में है। इस न्यायालय में 6 भाषाओं (अंग्रेजी, फ्रेंच, रसियन, स्पेनिश, अरेबिक, चाइनीज) में सुनवाई होती है, लेकिन काम अंग्रेजी और फ्रेंच में ही होता है। इसके सदस्य देशों की संख्या 123 है। 17 जुलाई 1998 को इसकी स्थापना हुई थी, इसने 1 जुलाई 2002 से कार्य करना प्रारंभ कर दिया। साथियों बात अगर हम न्यायालय की जरूरत की करें तो अपराध की दुनिया पर लगाम लगाने के लिए न्यायालय की जरूरत पड़ती है। इसी को ध्यान में रखते हुए विश्व में न्याय दिलाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय की स्थापना हुई थी। प्रतिवर्ष आज ही के दिन 17 जुलाई को अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस मनाया जाता है। इसे आमतौर पर अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्याय दिवस भी कहा जाता है। इसी दिन अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायालय की स्थापना हुई थी। इसे मनाने का मुख्य उद्देश्य विश्व को अंतर्राष्ट्रीय अपराधों के प्रति जागरूक करना है।

साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय के क्रियाकल्प की करें तो, अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय एक स्थाई और स्वतंत्र अंतर्राष्ट्रीय न्यायिक ऑर्गेनाइजेशन है, जो अंतरराष्ट्रीय मानवीय और मानव अधिकारों के सबसे गंभीर उल्लंघन के आरोपियों को दंडित करने में सक्षम है। जिसमें नरसंहार का अपराध, अपराधों का युद्ध और मानवता के खिलाफ अपराध शामिल है। अंतरराष्ट्रीय अपराधिक न्यायालय स्थापना तब हुई जब, राज्यों ने रोम में एक कानून को अपनाया इस की प्रतिमा को अंतरराष्ट्रीय अपराधिक न्यायालय के संविधि के रूप में जाना जाता है। आईसीसी राष्ट्रीय अदालतों की जगह नहीं लेता है। लेकिन यह तब उपलब्ध होता है जब कोई देश जांच करने में सक्षम नहीं होता और अपराधियों पर यह मुकदमा चला सकता है।

साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय न्यायालय को अंतिम उपाय मानने की करें तो, अंतिम उपाय की अदालत के रूप में सेवा करने के इरादे से, आईसीसी मौजूदा राष्ट्रीय न्यायिकप्रणालियों का पूरक है और अपने अधिकार क्षेत्र का प्रयोग तभी कर सकता है जब राष्ट्रीय अदालतें अनिच्छुक हों या अपराधियों पर मुकदमा चलाने में असमर्थ हों। इसमें सार्वभौमिक क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र का अभाव है और यह केवल सदस्य राज्यों के भीतर किए गए अपराधों, सदस्य राज्यों के नागरिकों द्वारा किए गएअपराधों, या संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा न्यायालय को संदर्भित स्थितियों में अपराधों की जांच और मुकदमा चला सकता है।

अतः अगर हम उपरोक्त विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि विश्व अंतरराष्ट्रीय न्याय दिवस 17 जुलाई 2025:- न्याय जवाबदेही और मानव अधिकारों के प्रति वैश्विक प्रतिबद्धता का प्रतीक है दुनियाँ की सरकारें प्रण करें:- अन्याय के नए रूपों को विफल करेंगे, न्यायिक संस्थाओं को मजबूत करेंगे वपीड़ितों को सशक्त बनाएंगे। अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय को अपराधियों के प्रत्यर्पण, आतंकवाद पनाहगार देशों का संज्ञान, अंतर्राष्ट्रीय संदिग्ध अपराधियों को गिरफ्तार करने की शक्तियां देना समय की मांग हैं।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से किसानों को मिलेगा प्रकृति आपदा से नष्ट हुई फसल का लाभ

अमरोहा (सब का सपना):- जिले उप कृषि निदेशक डॉ. रामप्रवेश ने जानकारी देते हुए कहा कि भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रायोजित खरीफ 2025 मौसम में "प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अन्तर्गत बीमा कराने हेतु योजना में अधिसूचित क्षेत्र (ग्राम पंचायत) में अधिसूचित फसलों को प्राकृतिक आपदाओं व रोके न जा सकने वाले अन्य जोखिमों यथा रोगों, कीटो से फसल नष्ट होने की निम्न परिस्थितियों में कृषकों, जिनके द्वारा अधिसूचित फसल का बीमा कराया गया है, को बीमा कवर के रूप में वित्तीय सहायता प्रदान की जायेगी। व्यापक आपदाओं से फसलों की क्षति की स्थितियों में प्रतिकूल मौसमीय स्थितियों के कारण ग्राम पंचायत में 75 प्रतिशत से अधिक क्षेत्रफल पर फसल की बुवाई न कर पाने/असफल बुवाई की स्थिति, खड़ी फसलों को प्राकृतिक आपदाओं यथा-सूखा अथवा शुष्क स्थिति, बाढ़, ओला, भूस्खलन, तुफान, चकवात, जलभराव, आकाशीय बिजली से उत्पन्न आग एवं रोके न जा सकने वाले अन्य जोखिमों रोगो, कीटो से क्षति की स्थिति और फसल की बुवाई से एक माह बाद से फसल कटाई के 15 दिन पूर्व तक प्रतिकूल मौसमीय स्थितियों के कारण साल की संभावित उपज में 50 प्रतिशत से अधिक की क्षति की स्थिति में सहायता। स्थानिक आपदाओं से फसलों की क्षति की स्थितियाँ में खड़ी फसलों को ओलावृष्टि, जलभराव (धान की फसल को छोडकर), भूस्खलन, बादल फटना, आकाशीय बिजली से उत्पन्न आग से क्षति की स्थिति, फसल कटाई के उपरान्त आगामी 14 दिनों तक खेत में सुखाई हेतु रखी फसल को

ओलावृष्टि, चकवात, चक्रवाती वर्षा एवं बेमौसम वर्षा से क्षति की स्थिति। गैर ऋणी कृषकों द्वारा बीमा कराने हेतु आवश्यक प्रपत्र में आधार कार्ड, भूमि स्वामित्व दस्तावेज- अधिकार का रिकार्ड, बैंक पासबुक, फसल बुवाई प्रमाण पत्र, कृषक का मोबाइल नम्बर होना आवश्यक है। बीमा कराने व जानकारी प्राप्त करने हेतु सम्बन्धित बैंक शाखा, जन सेवा केन्द्र,कियान्वयक अभिकरण के अधिकृत बीमा मध्यस्थ / कार्यालय द्वारा, भारत सरकार के PMFBY Portal (www.pmfby.gov.in) जो किसान भाई बीमा कराने हेतु अनिच्छुक हो वो 24 जुलाई तक अपने किसान केडिट कार्ड वाले बैंक को लिखित में अवगत करा दें। बीमित कृषकों को भुगतान वर्ष 2024-2025 में प्राप्त दावों के अनुसार प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अन्तर्गत खरीफ में 113 दावों के अनुसार रू0-128819 .55 का व रबी में 124 दावों के अनुसार रू०- 538 765.00 का भुगतान इफको टोकियों जनरल इंश्योरेंस कंपनी द्वारा किया गया । अधिसूचित फसल कृषक द्वारा देय प्रमियम रू०/ प्रति बीघा (खरीफ) अधिसूचित फसल धान के लिए कृषक द्वारा देय प्रीमियम दर(%) २%, कृषक द्वारा देय प्रीमियम ड्ट/प्रति बीघा 98.50, अधिसूचित फसल मक्का के लिए कृषक द्वारा देय प्रीमियम दर(%) २%, कृषक द्वारा देय प्रीमियम ड्ट/प्रति बीघा 49.00, अधिसूचित फसल बाजरा के लिए कृषक द्वारा देय प्रीमियम दर(%) २%, कृषक द्वारा देय प्रीमियम ड्ट/प्रति बीघा 32.50, और अधिसूचित फसल उर्द के लिए कृषक द्वारा देय प्रीमियम दर(%) २%, कृषक द्वारा देय प्रीमियम ड्ट/प्रति बीघा 70.25 है। आपदा से बीमित फसलों जैसे- धान, उर्द, मक्का एवं बाजरा की फसल में नुकसान होता है, तो शिकायत दर्ज कराने हेतु नीचे दिये गये नम्बरो पर संर्पक करें - (टोल फी) 14447, सम्बधित बैंक शाखा, इंश्योरेंस कंपनीः- रिशुकुमार, जिला प्रभारी इफको टोकियो- 9576384506, बन्टी सिंह, तहसील प्रभारी अमरोहा इफको टोकियो- 6396097610, रिंकू सैनी, तहसील प्रभारी नौगावों सादात इफको टोकियो- 7830989535, टिंकू सिंह, तहसील प्रभारी हसनपुर इफको टोकियो- 8476091487, सुरेन्द्र प्रताप सिंह, तहसील प्रभारी धनौरा इफको टोकियो- 8077 443817, राजकीय कृषि बीज भन्डार, कृषि विभाग के क्षेत्रीय कर्मचारी, कार्यालय-उप कृषि निदेशक, अमरोहा एवं जिला कृषि अधिकारी, अमरोहा के यहाँ अपनी शिकायत दर्ज करायें।

पुलिस ने चोरी की घटना में वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

कब्जे से चोरी किये गए 7 खम्बे, चार बन्डल कांटेदार तार बरामद

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द के निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के निकट पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी अंजली कटारिया व प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार के पर्यवेक्षण में थाना बछरायूं पुलिस द्वारा चोरी की घटना में अभियुक्त रामवीर पुत्र अन्तराम निवासी ग्राम सुल्तानपुर मजरा वाजिदपुर थाना बछरायूं जिला अमरोहा को गिरफ्तार किया गया है। जिसके कब्जे से चोरी हुये 7 खम्बे व चार बन्डल कांटेदार तार बरामद हुआ किया गया है। ज्ञात रहे कि ग्राम सुल्तानपुर मजरा वाजिदपुर स्थित वादिनी के खेत से अभियुक्त रामवीर द्वारा खम्बे व तार चोर कर लेने के सम्बन्ध में थाना बछरायूं पर मु0अ0सं0-180/2025 धारा 303(2),317(2) पंजीकृत किया गया था। जिसमें थाना बछरायूं पुलिस द्वारा चैकिंग के दौरान चोरी की घटना में वांछित अभियुक्त रामवीर पुत्र अन्तराम निवासी ग्राम सुल्तानपुर मजरा वाजिदपुर, थाना बछरायूं, जिला अमरोहा को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार अभियुक्त के कब्जे से चोरी किये गये 7 खम्बे सीमेन्ट व चार बन्डल कांटेदार तार बरामद हुए हैं।

न्यायलय परिसर में संदिग्ध व्यक्ति/ वाहन/ वस्तुओं की गई सघन चेकिंग

आपातकालीन स्थिति में बचाव हेतु किया गया मॉक ड्रिल

अमरोहा (सब के सपना):- जनपद न्यायालय परिसर की सुरक्षा को और अघिक सुद्दढ़ करने हेतु पुलिस अधीक्षक अमरोहा अमित कुमार आनंद के निर्देशन में न्यायालय परिसर में ए.एस. चेक टीम, डॉग स्कवॉड, स्वॉट टीम,अग्निशमन टीम द्वारा संदिग्ध वाहन व्यक्तियों/ वाहनों/ वस्तुओं की सघन चैकिंग कराई गई। न्यायालय परिसर में आवागमन करने वाले व्यक्तियों से आने-जाने का कारण, पूछताछ एवं तलाशी ली गयी। न्यायालय परिसर में लगे मेटल डिटेक्टर, स्कैनर मशीन, सीसीटीवी कंट्रोल रूम आदि सुरक्षा उपकरणों का निरीक्षण किया गया। परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे, डीएफएमडी , एचएचएमडी व हैण्ड सेट की उपलब्धता व क्रियाशीलता को चेक किया गया। आपातकालीन स्थिति में बचाव हेतु मॉक ड्रिल किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रभारी निरीक्षक न्यायलय सुरक्षा विनय कुमार, अग्निशमन दल प्रभारी अनुराग तोमर,ए0एस0चैक टीम प्रभारी सतीश चौधरी, स्वान दल टीम प्रभारी पंकज तोमर आदि पुलिसकर्मी उपस्थित रहे ।

सीडीओ की अध्यक्षता में किसान दिवस का हुआ आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में किसान दिवस का आयोजन किया गया। सीडीओ ने कहा कि अधिकारी किसान बन्धुओं की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उनका त्वरित एवं गुणवत्तापरक निस्तारण कराना सुनिश्चित करें। किसान दिवस में किसानों ने गन्ना भुगतान का मुददा उठाया जिस पर चीनी मिल के प्रतिनिधि ने बताया कि शेष भुगतान इसी माह के अन्त तक करा दिया जायेगा। श्रीमती सीता आर्या महिला कृषक ने गाँव अहरौला अहमदयार खां विकास खण्ड हसनपुर में

बिजली घर निमार्ण का मुददा उठाया बिजली विभाग द्वारा अवगत कराया गया कि शासन से बजट प्राप्त होते ही निमार्ण कार्य शुरू करा दिया जायेगा। कृषक श्री अनिल चौ0 द्वारा किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा तीन लाख से बढ़ाकर पाँच लाख करने के क्रम में अग्रणी बैंक प्रबन्धक ने बताया कि सरकार द्वारा घोषित के०सी०सी० की सीमा पाँच लाख किये जाने के सम्बन्धित शासनादेश प्राप्त होने पर सभी बैंको द्वारा इसे लागू करा दिया जायेगा। इसके अतिरिक्त किसान दिवस में प्राप्त लोक निमार्ण विभाग, चकबन्दी विभाग से सम्बन्धित समस्याओं को निस्तारण करने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए। मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र द्वारा संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि किसान दिवस में प्राप्त शिकायतों का गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण यथाशीघ्र कराना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर उप कृषि निदेशक डॉ० राम प्रवेश, जिला कृषि अधिकारी मनोज कुमार, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ० आभा दत्ता, जिला गन्ना अधिकारी मनोज कुमार सहित संबंधित अधिकारी एवं जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए कृषक बंधु उपस्थित रहे।

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक का आयोजित

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमारः- अपर जिलाधिकारी (वि/रा) बृजेश कुमार त्रिपाठी की अध्यक्षता एवं अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) धीरेंद्र प्रताप सिंह की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सड़क सुरक्षा से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई और दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अपर जिलाधिकारी ने पूर्व में हुई बैठक मे दिये गये निदेर्शो के अनुपालन की समीक्षा कर आवश्यक जानकारी लेकर सम्बन्धित को दिशा निर्देश दिए। बृजेश कुमार त्रिपाठी ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित करते कहा कि प्रभावी कार्यवाही कर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाएं। शहर में सुगम यातायात सुनिश्चित कराया जाए मुख्य चौराहों मोहल्लों व अधिक अतिक्रमण वाले स्थलों पर अभियान चलाकर कार्यवाही की जाए। जोया चौराहे को अतिक्रमण मुक्त कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत यातायात सुरक्षा और सुगम आवागमन के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके साथ ही यातायात पुलिस को सख्ती से नियमों का पालन कराने और चालान की कार्रवाई तेज करने को कहा गया। सड़क सुरक्षा के प्रति अधिक से अधिक जन मानस को जागरूक किया जाए और दुर्घटनाओं में कमी लाई जाए। इस अवसर पर सहायक अभियंता लोक निर्माण विभाग बलजीत सिंह और मनोज त्यागी, परिवहन विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी और सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य मौजूद रहे।

कर करेत्तर एवं राजस्व वसूली की समीक्षा बैठक का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) बृजेश कुमार त्रिपाठी जी की अध्यक्षता में अपर जिलाधिकारी (न्या0) धीरेंद्र प्रताप सिंह की उपस्थिति में जी की अध्यक्षता में कलक्ट्रेट सभागार में कर करेत्तर एवं राजस्व वसूली की समीक्षा बैठक आयोजित की गई । बैठक में अपर जिलाधिकारी ने वाणिज्य कर, वाहन कर, आबकारी विभाग, सिंचाई, विद्युत, मण्डी, स्टांप, परिवहन कर सहित अन्य विभागों की राजस्व वसूली की समीक्षा कर कम राजस्व वसूली वाले विभागों को वसूली में तेजी लाने के निर्देश दिये। अपर जिलाधिकारी ने इस स्टाम्प में कम वसूली पर निर्देश दिए कि लक्ष्य के सापेक्ष वसूली पूर्ण करें। उन्होंने मंडी मैं लक्ष्य के सापेक्ष कम वसूली पर निर्देश दिए कि आगामी बैठक में

उपलब्धि दिखाई दे इसलिए लक्ष्य जो प्राप्त हुआ है उसके सापेक्ष वसूली का कार्य पूर्ण कर लें। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि कुर्की, नीलामी और बड़े बकायेदारों पर अभियान चलाकर कार्य किया जाए । उन्होंने कहा कि प्रत्येक विभाग को जो लक्ष्य आवंटित किया गया है उसके सापेक्ष अभियान चला कर वसूली कराई जाए इसमें किसी प्रकार की लापरवाही ही नहीं होनी चाहिए । अपेक्षित लक्ष्य सापेक्ष किसी भी स्थिति में वसूली कम न हो। अपर जिलाधिकारी ने तहसील में उपजिलाधिकारियों द्वारा किये जाने वाले कार्यों की समीक्षा करते हुए कार्य की समीक्षा करते हुए कहा कि तालाबों चारागाह को चिन्हित कर कब्जा मुक्त कराएं। तहसील न्यायालय में लंबित वादों का निस्तारण प्राथमिकता से कराएं उपजिलाधिकारी-अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी ने सभी उपजिला धिकारियों और तहसीलदारों से धारा 67 ,34 और 116 के न्यायालय में चल रहे वादों की समीक्षा भी किया । वादों के निस्तारण प्राथमिकता के साथ करें। धारा 67 ,24 ,34 ,116 के तहसील में कोई भी केस लंबित न रहे, अभियान चलाकर निस्तारण करें। अपर जिलाधिकारी(न्यायिक) ने कहा कि एन्टी भू माफिया के तहत भू माफियों पर प्रभाई कार्यवाही सुनिश्चित किया जाए । इस अवसर पर उप जिलाधिकारी अमरोहा शशि भूषण पाठक, उप जिलाधिकारी हसनपुर पुष्करनाथ चौधरी, उप जिलाधिकारी धनौरा विभा श्रीवास्तव, उप जिलाधिकारी नौवावां सादात सुनीता, समस्त तहसीलदार एवं सहित अन्य कर करेत्तर से सम्बन्धित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

बारिश के चलते गांव ख्यालीपुर ढाल में भरभराकर ढह गया गरीब का आशियाना

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना) कविन्द्र सिंहः- लगातार हो रही बारिश के चलते गजरौला क्षेत्र स्थित गांव में एक गरीब का आशियाना टूट कर बिखर गया ।जिससे मकान स्वामी का लाखों का नुकसान हो गया ।मकान गिरने के बाद मकान स्वामी व उसका परिवार हाय सी मारकर बैठ गया। बता दें कि क्षेत्र में हो रही लगातार भारी बारिश

के कारण नगर क्षेत्र के गांव ख्यालीपुर ढाल निवासी जगदीश का मकान भरभराकर गिर गया। जिससे उसका लाखों का नुकसान हो गया। लेकिन गनिमत रही रही कि इस हादसे में जगदीश की पत्नी जगवती व उसके बच्चे बाल बाल बच गए नहीं तो कोई बड़ा हादसा भी हो सकता था। मकान गिर जाने के बाद गरीब परिवार हाय सी मारकर बैठ गया और भगवान का धन्यवाद दे रहा था कि इस हादसे में उसके परिवार का कोई सदस्य हताहत नहीं हुआ।

थाना गजरौला पुलिस द्वारा 01 अभियुक्त अवैध असलहा व कारतूस के साथ गिरफ्तार

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन में, एवं क्षेत्राधिकारी धनौरा अंजली कटारिया के निकट पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक गजरौला अखिलेश प्रधान के कुशल नेतृत्व में थाना गजरौला पुलिस द्वारा 01 अभि0 अंकुश पुत्र नन्हे निवासी ग्राम चकनवाला थाना गजरौला मय अवैध असलहा 01 तमंचा 12 बोर व 01 जिन्दा कारतूस सहित गिरफ्तार किया गया है। खबर लिखें जाने तक गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में मु0अ0सं0 361/2025 धारा 3/25 आयुध अधिनियम पंजीकृत कर गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा था।

अमरोहा जिले में बेसिक शिक्षा विभाग के जिला समन्वयक प्रशांत कुमार का शिक्षा के प्रति सराहनीय योगदान

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमारः- जिले में बेसिक शिक्षा विभाग में जिला समन्वयक (समेकित शिक्षा) के रूप में कार्यरत प्रशांत कुमार शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर कार्य कर रहे हैं। उनकी मेहनत और समर्पण ने जिले के सरकारी स्कूलों में शैक्षिक गुणवत्ता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। समेकित शिक्षा के तहत विशेष रूप से दिव्यांग बच्चों और समाज के कमजोर वर्गों के बच्चों को शिक्षा प्रदान करने में उनकी पहल ने न केवल शिक्षा के स्तर को ऊपर उठाया है, बल्कि सामाजिक समावेश को भी बढ़ावा दिया है। प्रशांत कुमार ने अपने कार्यकाल में समेकित शिक्षा के तहत कई नवाचार किए हैं। उन्होंने जिले के विभिन्न स्कूलों में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए विशेष शिक्षण सामग्री और तकनीकों को लागू करने पर जोर दिया है। इसके लिए शिक्षकों को प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं, ताकि वे इन बच्चों की विशेष जरूरतों को समझ सकें और उन्हें प्रभावी ढंग से पढ़ा सकें। इन प्रशिक्षणों में शिक्षकों को समावेशी शिक्षा के महत्व, शिक्षण विधियों, और बच्चों

के साथ संवेदनशीलता के साथ व्यवहार करने के तरीकों के बारे में बताया गया। उनके नेतृत्व में, अमरोहा जिले के स्कूलों में विशेष बच्चों के लिए बाधा-मुक्त वातावरण तैयार करने की दिशा में कई कदम उठाए गए हैं। स्कूलों में रैंप, विशेष शौचालय, और अन्य सुविधाओं का निर्माण किया गया है, ताकि दिव्यांग बच्चे बिना किसी परेशानी के स्कूल आ सकें। इसके अलावा, प्रशांत कुमार ने जिला प्रशासन और अन्य सामाजिक संगठनों के साथ मिलकर जागरूकता अभियान चलाए हैं, जिनका उद्देश्य अभिभावकों को अपने बच्चों को स्कूल भेजने के लिए प्रेरित करना है। प्रशांत कुमार का एक और महत्वपूर्ण योगदान है डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देना। उन्होंने सरकारी स्कूलों में डिजिटल लर्निंग उपकरणों और स्मार्ट कक्षाओं की स्थापना में योगदान दिया है। इसके तहत, बच्चों को आधुनिक तकनीकों के माध्यम से पढ़ाई करने का अवसर मिल रहा है, जिससे उनकी रुचि और सीखने की क्षमता में वृद्धि हुई है। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, जहां संसाधनों की कमी एक बड़ी चुनौती है, प्रशांत कुमार ने यह सुनिश्चित किया कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले। उनके कार्यों की सराहना न केवल शिक्षा विभाग, बल्कि स्थानीय समुदाय और अभिभावकों द्वारा भी की जा रही है। उनकी सक्रियता और नेतृत्व ने शिक्षकों और स्कूल प्रशासन को प्रेरित किया है कि वे अपने कार्य को और अधिक जिम्मेदारी के साथ निभाएं। प्रशांत कुमार का मानना है कि शिक्षा ही समाज को बदलने का सबसे बड़ा हथियार है, और वे इस दिशा में निरंतर प्रयासरत हैं। जिला समन्वयक के रूप में, प्रशांत कुमार ने न केवल समेकित शिक्षा के लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफलता हासिल की है, बल्कि उन्होंने शिक्षा के प्रति एक नई सोच को भी बढ़ावा दिया है। उनके इन प्रयासों से अमरोहा जिले में शिक्षा का स्तर निश्चित रूप से ऊंचा हुआ है, और भविष्य में भी उनके योगदान से और अधिक सकारात्मक बदलाव की उम्मीद की जा सकती है।

शिव मंदिर के स्थापना दिवस पर कराया भंडारा

चंदौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपनाः- चंदौसी में बदायूं रोड स्थित ओमी लाला फार्म हाउस ने स्थित शिव मंदिर की स्थापना दिवस के उपलक्ष में ओएलएफ बैंक्वेट हाल में भाजपा नेता और समाजसेवी कपिल गुप्ता ने भंडारा कराया। भंडारे में प्रसाद पाने के लिए शहर के बड़े बड़े संगठन के साथ साथ भाजपा के कई नेता मौजूद रहे। इसी क्रम में नगर में जनहित में कार्य कर रही वैश्य एकता मंच के पदाधिकारी और सदस्य भी मौजूद रहे। जिसमें ओमप्रकाश गुप्ता ओमी लाला, कपिल गुप्ता ओएलएफ, सजल गुप्ता, अंकुर

अग्रवाल, डॉ टीएस पाल, गिरीश रतन, सभासद तरुण नीरज, पंकज श्री, सुधीर मल्होत्रा, हरेन्द्र कोहली, मनोज दिवाकर, शुभम अग्रवाल, अर्चित अग्रवाल, दीपमाला गुप्ता, प्रतिभा चौधरी,रीना चौधरी, पूजा किशोर, महिमा वार्ष्णेय, मोनिका वार्ष्णेय, भुवनेश वार्ष्णेय, डॉ दुर्गा टंडन, सभासद अमन कोली, कौशल किशोर, संदीप वर्मा, आकाश शर्मा, पूनम अरोरा, अभिषेक गुप्ता, वीनेश वार्ष्णेय, चरन सिंह, दिलीप गोयल, अमित सक्सेना, प्रतीक किट्ठू, रवि शर्मा पुष्पेंद्र राघव, दिनेश प्रेमी, अरविंद गुप्ता, मनोज वार्ष्णेय, तुषार, दीपेश, आकाश आदि मौजूद रहे।

मंडी धनौरा पालिकाध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल ने ई.ओ संग मिलकर किया पोषण किट का वितरण

मंडी धनौरा/अमरोहा (सब का सपना) कविन्द्र सिंहः- मंडी धनौरा में पालिकाध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल ने अधिशासी अधिकारी अवधेश कुमार वर्मा एवं सभासदों के संग बच्चों में कुपोषण के खात्मे को पोषण किट का वितरण किया। बता दें कि बुधवार को मंडी धनौरा में पालिका सभागार में आयोजित कार्यक्रम में कुपोषित व अर्द्ध कुपोषित (सेम व मेम) बच्चों के पोषण के लिए बॉर्नविटा, चना, परमल ,रामदाना, पीनट बटर, मखाना, गुड़, दलिया आदि पोषक तत्वों से तैयार पोषण किट वितरित की गई। अधिशासी अधिकारी अवधेश कुमार वर्मा ने बताया कि मंडलायुक्त के निर्देश पर निकाय क्षेत्र मे स्थित आंगनबाड़ी केन्द्रो पर पाए गए अति कुपोषित (रअट) व कुपोषित (टअट) बच्चों को कुपोषण से मुक्ति के लिए इन

किटों का वितरण किया गया है। पालिकाध्यक्ष प्रवीणअग्रवाल ने बताया कि नगर के कुपोषित बच्चों को पोषण किट दिए जाने के अतिरिक्त पालिका द्वारा प्रत्येक आंगनबाड़ी केन्द्र पर बच्चों के माप एवं वजन के लिए मशीने भी उपलब्ध कराई जाएंगी। पालिकाध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल ने बताया कि शासन की मंशा है कि प्रदेश में कोई भी बालक कुपोषित नहीं रहे। उन्होंने कहा कि सरकार जनहित के सभी कार्य बगैर किसी पक्षपात के कर रही है और प्रदेश की जनता इनसे लाभांवित भी हो रही है। पालिका में आयोजित इस कार्यक्रम मे आरती शर्मा, सभासद दुलीचन्द्र गिहार, राजू बादशाह , आलम शेख , सतीश कुमार, राजेन्द्र सिंह, पालिका में वरिष्ठ लिपिक उमेश कुमार, लेखाकार सोनू कुमार सहित पालिका कर्मचारी, नगर से आये कुपोषित बच्चों के अभिभावक आदि भी उपस्थित रहे।

तेज रफ्तार बस ने कार में मारी साइड, पिता पुत्र घायल

बहजोई/संभल। (सब का सपना) जिलाधिकारी कार्यालय के सामने से गुजर रही तेज रफ्तार बस ने कार में साइड से टक्कर मार दी। जिसमें कार सवार पिता पुत्र घायल हो गए। फिलहाल घायलों का इलाज जारी है। मिली जानकारी के अनुसार विकास उम्र 36 वर्षीय अपने पिता मोहरपाल सिंह 65 वर्षीय थाना उगेती जनपद बदायूं कार में सवार होकर अपनी दवा लेने के लिए जा रहे थे। जब वह बहजोई कलेक्ट्रेट के सामने पहुंचे तो तेज रफ्तार बस ने उनकी कार में टक्कर मार दी। जिसमें दोनों पिता पुत्र घायल हो गए। इसके बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई। स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। जिसके बाद स्थानीय पुलिस ने एंबुलेंस को बुलाकर घायलों को बहजोई चिकित्सालय में भर्ती कराया है। जहां दोनों का इलाज जारी है। फिलहाल पुलिस ने बस को अपनी कस्टडी में ले लिया है।

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से सकुशल लौट आने पर शुभांशु शुक्ला ने रचा इतिहास

चंदौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपनाः- अखिल भारतीय युवा उधोग व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय अन्नू के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से 18 दिन की यात्रा से सकुशल लौटे शिभांशु शुक्ला की खुशी में मिठाई वितरण कर खुशी बनायी। नगर अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय अन्नू ने कहा कि अत्यंत दुर्लभ और हर देशवासी को भावुक कर देने वाला पल है। अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में देश की ये उपलब्धि मील का पत्थर है और दुनिया के सामने शक्तिशाली भारत की छवि को और सुदृढ़ करता है। शुभांशु शुक्ला की यात्रा ने देशवासियों सर गर्व से ऊपर कर दिया है और इतिहास रच दिया है।आज हर भारतीय विशेषकर उत्तर प्रदेश वासी गौरवशाली महसूस कर रहे है। भारत को

शुभांशु शुक्ला के साहस समर्पण व राष्ट्र के प्रति सेवा पर गर्व है। भाजपा नेता शुभम अग्रवाल ने कहा शुभांशु शुक्ला ने एक इतिहास रच दिया । आज के युवाओं के आप मार्गदर्शक हो। युवाओं को आपसे देश की प्रति देश भक्ति की प्रेरणा मिलेंगी। इस दौरान सभासद अमन कोरी, मयंक वार्ष्णेय, चिंकल, प्रतीक, किट्ठू, संदीप, रमाकांत शर्मा, रितिक वार्ष्णेय, सुन्नी शर्मा, प्रदीप यादव, विमल बिल्ला, सोनू मामा, मोनू, ज्योति आदि मौजूद रहे।

एडवोकेट शुभम प्रताप सक्सेना ने सचिव पद की ठोकी दावेदारी

चंदौसी/सम्भल (हनी चन्द्रा) सब का सपनाः- बुधवार को एडवोकेट शुभम प्रताप सक्सेना द्वारा चंदौसी बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव 2025- 26 में शहर सचिव पद हेतु अपना नामांकन प्रस्तुत किया। एडवोकेट शुभम प्रताप सक्सेना ने अपने सभी साथी अधिवक्ताओं के सहयोग की अपील की। नामांकन के मौके पर उनके साथ कोर्ट कमिश्नर रमेश राघव एडवोकेट, मजिस्ट्रेट सदस्य नवनीत सिंह एडवोकेट, संजय शर्मा, राकेश सिंह, कुणाल सक्सैना, दीपक यादव, महेश यादव आदि उपस्थित रहे।

हापुड़ पुलिस ने शातिर चोर को किया गिरफ्तार

चोर के कब्जे से सफेद धातु के आभूषण, एलईडी टीवी, मोटर साइकिल एवं अवैध चाकू बरामद

हापुड़ (सब का सपना):- थाना हापुड देहात पुलिस ने थाना क्षेत्रान्तर्गत हुई चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। जिसके कब्जे से चोरी के सफेद धातु के आभूषण, एलईडी टीवी, मोटर साइकिल एवं अवैध चाकू बरामद किया गया है। हापुड़ देहात थाना प्रभारी विजय कुमार गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया की अपराध रोकथाम एवं चोरों/वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के अन्तर्गत थाना हापुड देहात पुलिस द्वारा थाने के मु0अ0सं0 204/2025 धारा 305ए बीएनएस का सफल अनावरण करते हुए एक अभियुक्त नकुल पुत्र अमरीश उर्फ डब्बल निवासी ग्राम तलहेटा थाना भोजपुर जनपद गाजियाबाद को आशियाना कॉलोनी अण्डरपास के पास से गिरफ्तार किया गया है। जिसके कब्जे से चोरी के सफेद धातु के आभूषण, एलईडी टीवी, मोटर साइकिल एवं अवैध चाकू बरामद हुआ है आरोपी शातिर चोर को न्यायालय के आदेश पर जेल भेज दिया गया।

सलीम प्रधान बने भाकियु (संघर्ष) के राष्ट्रीय प्रवक्ता

हापुड़/गढ़ (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (संघर्ष) मे बड़ा बदलाव करते हुए यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष इरकान चौधरी ने राजपुर निवासी पूर्व प्रधान सलीम प्रधान को यूनियन का राष्ट्रीय प्रवक्ता नियुक्त किया है। इरकान चौधरी ने बताया कि सलीम प्रधान बहुत लम्बे समय से यूनियन से जुड़े है और इससे पहले भी कई पदो पर पर काम कर चुके है राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उनकी संघठन के प्रीति निष्ठा और किसानों के प्रीति किये गये उनके कार्यो को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय प्रवक्ता के पद पर मनोनीत किया है।

नवेली दुल्हनों से पुरुषों में डर, व्यापार मंडल ने राष्ट्रीय पुरुष आयोग बनाने की उठाई मांग

चंदौसी/सम्भल (हनी चन्द्रा) सब का सपनाः- अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल चंदौसी ने एक ज्ञापन उपजिलाधिकारी के माध्यम से भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम प्रधानमंत्री कार्यालय नई दिल्ली को भेजा। जिसमें भारत सरकार से मांग की गई कि भारत में आज की परिस्थितियों को देखते हुए आज के युवा महिलाओं की कार्यकलापों को देखते हुए जिसमें पत्नी महिला अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने पति का मर्डर कर रही है तो कहीं हनीमून पर जाकर मर्डर कर रही है घर में जहर दे रही है और पति को काटकर नीले प्लास्टिक के ड्रम में डाल कर सीमेंट डालकर मर्डर कर रही है। ये समय के अनुसार आवश्यकता है कि देश में राष्ट्रीय पुरुष आयोग बनाया जाएं।

इसके साथ-साथ प्रदेश स्तर पर प्रदेश पुरुष आयोग बनाए जाएं। जिसमें जिला स्तर पर जिला पुरुष आयोग बनाया जाए। जिससे पुरुषों को आत्महत्या ना करनी पड़े तथा पुरुषों के साथ भी न्याय हो सके। ज्ञात रहे की समय की मांग के हिसाब से देश में पहली बार किसी संस्थान द्वारा राष्ट्रीय पुरुष आयोग बनाने की मांग की गई है। यदि देश में राष्ट्रीय महिला आयोग बनाया गया है तो आज की परिस्थितियों में राष्ट्रीय पुरुष आयोग भी बनाया जाए। भारतीय पुरुष आज की प्रस्तुति में भयभीत है वह अपने माता-पिता से शादी न करने की जिद पर अड़ जाता है। नव युवाओं को नवेली दुल्हन से डर लगता है इसलिए पुरुषों को आत्म सम्मान के लिए जीवित रहने के लिए राष्ट्रीय पुरुष आयोग की आवश्यकता है। राष्ट्रीय पुरुष आयोग को ही अधिकार दिए जाएं। पुलिस से पहले राष्ट्रीय पुरुष आयोग उन केसों की जांच करें जिसमें पुरुष को कुत्सित महिला द्वारा घरेलू हिंसा तथा अन्य तरीकों से फसाया जाता है। इस दौरान प्रेम ग्रोवर, शाह आलम मंसूरी, विकाश मिश्रा, उमेश चंद्र वार्ष्णेय, सुभाष पाल, सुशील अग्रवाल, दीपेश गुप्ता आदि लोग मौजूद रहे।

किसानो की समस्याओं का निस्तारण अधिकारी प्राथमिकता पर करें :- जिलाधिकारी

हापुड़ (सब का सपना):- जिलाधिकारी अभिषेक पांडेय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में प्रातः 11.00 बजे से किसान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गौतम तथा संबंधित अधिकारियों के साथ-साथ जनपद के विभिन्न क्षेत्रो के कृषको एवं कृषक प्रतिनिधियो द्वारा प्रतिभाग किया गया। किसान दिवस में सर्वप्रथम योगेन्द्र कुमार उप कृषि निदेशक हापुड़ द्वारा उपस्थित सभी सम्बन्धित जनपद स्तरीय अधिकारियो एवं कृषक बन्धुओ का स्वागत किया गया। इसके उपरान्त किसान दिवस की कार्यवाही प्रारम्भ की गयी। उप कृषि निदेशक द्वारा गतमाह जून, 2025 के किसान दिवस में प्राप्त शिकायतो से सम्बन्धित निस्तारण आख्या उपस्थित सभी कृषको के समक्ष पढ़कर सुनाई गयी तथा निस्तारण सम्बन्धी विस्तृत विवरण सम्बन्धित अधिकारी द्वारा कृषको को अवगत कराया गया। किसान दिवस में विभिन्न कृषको द्वारा समस्या लिखित रूप से अवगत करायी गयी। किसान दिवस में जिलाधिकारी ने किसानों द्वारा की गई शिकायत में अधिकारी अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि किसान दिवस के दौरान किसानों की जो भी समस्याएं आ रही है उसका गुणवत्तापूर्ण निस्तारण त्रुटि रहित करें अन्यथा की दशा में संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी द्वारा किसान दिवस में समस्त सम्बन्धित जिला स्तरीय अधिकारियों / प्रतिनिधियों को अपने विभाग से संबंधित समस्याओं का निस्तारण 10 दिनों के भीतर प्रत्येक दशा में निस्तारण की कार्यवाही की प्रति किसान दिवस के नोडल अधिकारी उप कृषि निदेशक, कार्यालय निकट कोतवाली में उपलब्ध कराते हुये एक प्रति शिकायतकर्ता को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया।

मंडी धनौरा की बी.एस.डी एकेडमी के 173 विद्यार्थियों का अलग-अलग विद्यालयों में चयन

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना) कविन्द्र सिंहः- मंडी धनौरा स्थित बीएसडी अकैडमी में सत्र 2024 - 2025 की विभिन्न परीक्षाओं के परिणाम स्वरूप अकेडमी के 173 विद्यार्थियों का सिलेक्शन अलग-अलग स्कूलों में होने पर विद्यालय परिसर के स्टाफ एवं चयनित विद्यार्थियों के चेहरों पर खुशी का माहौल है। वहीं चयनित विद्यार्थियों ने परीक्षाओं में अच्छे अंक प्राप्त कर अकेडमी का जनपद में नाम रोशन कर दिया है। कितने विद्यार्थियों का कौन से स्कूल में हुआ सिलेक्शन ऑल इंडिया सैनिक स्कूल में 70 विद्याथीयों का चयन, राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल में 02 विद्यार्थियों का चयन, उत्तर प्रदेश सैनिक स्कूल में 28 विद्यार्थियों का चयन, नवोदय विद्यालय में 22 विद्यार्थियों का चयन, गुरुकुल कुरुक्षेत्र व नीली खेड़ी में 35 विद्यार्थियों का चयन, स्पोर्ट्स स्कूल राई सोनीपत में 11 विद्यार्थियों का चयन, ए.एम.यू में 05 विद्यार्थियों का चयन बता दें कि मंडी धनौरा स्थित बीएसडी अकैडमी के चयनित छात्र-छात्राओं में अवयान, आर्य ,शाहिब रजा ,साकिब आजमी, आर्यन चौहान, मनी कुमार, विमल सैनी, पंक्ति ,नमनदीप ,पलक, वंश, सीप्पी, लक्ष्य, यश ,चर्चित, कार्तिक, राही ,रिया, लकी, अब्दुल, लक्ष्य कुमार ,दक्ष, अरमान आलम, आयुष, ध्रुव, हर्षित जैन, देव चौहान, कार्तिक पाल ,सार्थक, कपिल, अर्पण यादव, जतिन कुमार, लव कुमार, रोबिन, पर्व चौधरी सहित 173 छात्र-छात्राएं शामिल हैं।

पीड़ित परिवार के लिए जिला पंचायत अध्यक्ष उद्योगपति राजेश मसाला बने सहारा

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवाल:- जिला पंचायत अध्यक्ष उद्योगपति राजेश मसाला आज एक पीड़ित के लिए सहारा बने। इलाज कराने की ज़िम्मेदारी लेने के साथ ही दो माह के राशन की किट भी उपलब्ध करायी। जानकारी के मुताबिक राजनाथ कश्यप पुत्र स्वः रामलाल कश्यप निवासी पश्चिम लोनिया पुर टिकरी अमेठी के आंख की रोशनी चली गयी। जिन्होंने आज राजेश मसाला से मुलाकात की और अपना दर्द बताया और कहा कि आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण इलाज नहीं करा पा रहा हूं। जिसपर राजेश ने राजनाथ के पूरे इलाज का खर्च खुद बहन करने की बात कही साथ ही परिवार को जीवन यापन में कोई समस्या न हो दो माह के राशन

की किट भी उपलब्ध कराई। इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश मसाला ने कहा कि समय बलवान होता है समय के चक्र से कोई अछूता नहीं है राजनाथ कश्यप की दोनों आंखों की रोशनी जाने से घर परिवार के सामने जीवन यापन का संकट खड़ा हो गया है। आज इन्होंने मुझसे मुलाकात की मैंने तय किया है की इनका पूरा इलाज कराऊंगा जो भी उस पर खर्च आएगा उसे खुद बहन करूंगा। साथ ही परिवार को जीवन यापन में कोई समस्या न हो 2 महीने के राशन की किट भी उपलब्ध करायी गयी है। आगे भी जो आवश्यकता होगी उसे उपलब्ध कराऊंगा। राजेश ने कहा कि नारायण सेवा के भाव से काम करता हूं आज उनके पास जो कुछ भी है समाज के आशीर्वाद का परिणाम है मेरे माता-पिता ने मुझे यही संस्कार दिया है कि पहले सामने वाले की चिंता करो फिर अपने लिए सोचो।

हल्की बारिश ने खोली नगर पंचायत की पोल, जगह-जगह भरा पानी, लोगों को परेशानी

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवाल:- अमेठी नगर पंचायत की विकास कार्यों की पोल एक बार फिर हल्की बारिश में ही खुल गई। मंगलवार शाम करीब 4 बजे शुरू हुई हल्की बारिश के चलते शहर के कई सरकारी दफ्तरों, तहसील परिसर और रजिस्ट्री ऑफिस में जगह-जगह पानी भर गया। अमेठी नगर पंचायत, जिसे आदर्श नगर पंचायत कहा जाता है, हल्की बारिश में ही जलनिकासी की बदहाल व्यवस्था उजागर हो गई। बारिश होते ही रजिस्ट्री ऑफिस परिसर में पानी जमा हो गया जिससे वहां आने-जाने वाले लोग काफी परेशान नजर आए। लोग पानी से होकर ही दफ्तरों में आ-जा रहे थे, जिससे न सिर्फ आमजन को दिक्कत

हुई बल्कि सरकारी कामकाज भी प्रभावित हुआ। स्थानीय लोगों ने बताया कि बरसात का पानी नालियों में समुचित तरीके से नहीं जा पाता जिससे हल्की बारिश में भी जगह-जगह जलभराव हो जाता है। लोगों ने नगर पंचायत प्रशासन से जल्द जलनिकासी की व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की है ताकि बारिश में उन्हें राहत मिल सके।

एंटी रोमियो अभियान के अन्तर्गत बालिकाओं को किया गया जागरूक

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवाल:- पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में मिशन शक्ति अभियान के तहत नारी सुरक्षा/नारी सम्मान/नारी स्वावलंबन हेतु बालिकाओं में सशक्तिकरण व विश्वास का वातावरण बनाने के उद्देश्य से महिला थाना पुलिस द्वारा कस्बा अमेठी स्थित आरआरपीजी कॉलेज छात्राओं को 1090-वीमेन पॉवर लाइन, 181-महिला हेल्प लाइन, 108-एम्बुलेंस सेवा, 1076झमुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 112-पुलिस आपातकालीन सेवा, 1098-चाइल्ड लाइड्ड, 102-

स्वास्थ्य सेवा तथा थानों पर स्थापित महिला हेल्प डेस्क तथा महिला सशक्तिकरण से संबंधित शासन की विभिन्न योजनाओं के विषय में विस्तार से जानकारी देकर व जागरूकता संबंधी पंपलेट वितरित कर जागरूक किया गया। इसी क्रम में एन्टी रोमियो टीम द्वारा विभिन्न स्थानों पर मनचलों द्वारा छेड़छाड़ व महिला उत्पीड़न की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाए जाने के दृष्टिगत सतत निगरानी करते हुए अभियान चलाया गया एवं संदिग्धों की चेकिंग की गयी ।

विकास भवन सभागार में आयोजित हुआ किसान दिवस, किसानों की समस्याएं सुन दिए निस्तारण के निर्देश

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवाल:- शासन की मंशा के अनुरूप आज विकास भवन सभागार में माह के तृतीय बुधवार को किसान दिवस का आयोजन जिला विकास अधिकारी वीरभानु सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। किसान दिवस में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए किसानों की समस्याओं व सुझावों को गंभीरता से सुना गया तथा मौके पर ही उनके समाधान हेतु संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। कार्यक्रम के दौरान किसानों को शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। उन्हें जैविक व प्राकृतिक खेती के लाभों के साथ-साथ आधुनिक तकनीकों के माध्यम से उन्नत खेती

करने के सुझाव भी दिए गए। कृषि विज्ञान केंद्र कठौरा के कृषि वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को फसल सुरक्षा, कीट एवं चूहे नियंत्रण, तथा फसल उत्पादन बढ़ाने के उपायों पर व्यावहारिक जानकारी दी गई। इस अवसर पर जनपद के प्रगतिशील किसानों ने अपने अनुभव साझा किए और बताया कि कैसे उन्होंने शासन की योजनाओं का लाभ लेकर खेती में नवाचार किया और अच्छा लाभ अर्जित किया। उन्होंने अन्य किसानों से भी इन योजनाओं का लाभ लेने की अपील की। किसान दिवस में उप कृषि निदेशक सत्येन्द्र कुमार, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ जी0के0 शुक्ला, अधिशासी अभियंता सिंचाई, नलकूप, विद्युत विभाग के अधिकारी तथा बड़ी संख्या में किसान बंधु उपस्थित रहे।

डीएम ने जनसुनवाई में सुनी जनता की समस्याएं

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवाल:- जिलाधिकारी संजय चौहान ने आज कलेक्ट्रेट कार्यालय में आमजन की समस्याएं सुनीं। जिलाधिकारी ने जनसुनवाई के दौरान प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक नागरिक की समस्या का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए। किसी भी स्तर पर लापरवाही या ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जिला स्तरीय स्थाई समिति की बैठक संपन्न

जिला प्रशासन तथा पत्रकारों के मध्य सौहार्दपूर्ण विषयों पर हुई चर्चा

बदायूं (सब का सपना) एसपी सैनी :- शासन के निदेशों के क्रम में जनपद स्तर पर जिला प्रशासन व पत्रकारों के मध्य सौहार्दपूर्ण सम्बंध स्थापित करने तथा प्रेस की स्वतंत्रता को अक्षुण्ण बनाए रखने के उद्देश्य से गठित जिला स्तरीय स्थाई समिति की बैठक बुधवार को कलेक्ट्रेट स्थित सभाकक्ष में अपर जिलाधिकारी प्रशासन अरुण कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। एडीएम प्रशासन ने कहा कि पत्रकार संविधान का चतुर्थ स्तंभ है इसलिए उनकी समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता पर सुनिश्चित कराया जाएगा। बैठक के दौरान पत्रकारों ने अपना-अपना परिचय दिया तथा रोडवेज बसों में मान्यता प्राप्त पत्रकारों की सुगमता के लिए सूची को सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक रोडवेज को उपलब्ध कराने के अनुरोध पर एडीएम प्रशासन ने सूची को एआरएम रोडवेज को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। वहीं आयुष्मान कार्ड को ठीक कराने के लिए प्रभारी आयुष्मान कार्ड जिला अस्पताल से समन्वय करने के लिए भी कहा गया। बैठक के समन्वय व जिला सूचना अधिकारी आशुतोष चन्दोला ने बैठक की मूल भावना व उद्देश्य से समिति के सदस्यों को अवगत कराते हुए बताया कि जनपद स्तर पर जिला प्रशासन व पत्रकारों के मध्य सौहार्दपूर्ण सम्बंध स्थापित करने तथा प्रेस की स्वतंत्रता को अक्षुण्ण बनाए रखने के उद्देश्य से जिलाधिकारी की अध्यक्षता में समिति का गठन किया जाता है। जिसमें वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पदेन सदस्य होते हैं। इसके अतिरिक्त चार मान्यता प्राप्त पत्रकार तथा एक पत्रकार ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के प्रतिनिधि के रूप में समिति में नामित होते हैं तथा जिला सूचना अधिकारी इसके सदस्य सचिव होते हैं। उन्होंने बताया कि शासन के निदेशों के क्रम में प्रत्येक माह बैठक का आयोजन कराने के निर्देश प्राप्त हुए हैं जिसका अनुपालन कराया जा रहा है। इस अवसर पर नगर मजिस्ट्रेट सुरेश कुमार पाल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के प्रतिनिधि व क्षेत्राधिकारी पुलिस नगर रजनीश कुमार उपाध्याय, मान्यता प्राप्त पत्रकार संजय शर्मा, धारम सिंह, ओम प्रकाश मौर्य, कामिल सिद्दीकी तथा ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के प्रतिनिधि के रूप में फिरोज खान मौजूद रहे।

बेखौफ झोलाछाप चिकित्सको ने नोडल अधिकारी को दिखाया ठेंगा

नोडल अधिकारी के सामने झोलाछाप चिकित्सकों की खुली दुकान बनी चर्चा का विषय

सहसवान/बदायूं (सब का सपना) एस पी सैनी:- अवैध रूप से संचालित जच्चा बच्चा केंद्र में जच्चा बच्चा की हुई मृत्यु के उपरांत नोडल अधिकारी द्वारा जच्चा बच्चा केंद्र संचालक के विरुद्ध कराई गई नाम दर्ज रिपोर्ट में घटना के बादी नोडल अधिकारी डॉ प्रशांत त्यागी को घटना के विवेचक उप निरीक्षक विष्णु दत्ता बयान दर्ज कराने के लिए घटनास्थल पर ले गए थे। जहां उन्होंने नोडल अधिकारी डॉ प्रशांत त्यागी के द्वारा अवैध रूप से संचालन करने वाले जच्चा बच्चा केंद्र प्रबंधक सौरभ वर्मा के विरुद्ध कराई गई प्राथमिक रिपोर्ट दर्ज कराए जाने के लिए बयान दर्ज किए। बताया जाता है की राजकीय पशु चिकित्सालय के निकट मुख्य मार्ग पर कई वर्षों से संचालित जच्चा बच्चा केंद्र के नीचे कई झोलाछाप चिकित्सक भी अपनी

अपनी दुकान खोलकर लोगों को गुमराह करते हुए उनका उपचार कर रहे हैं। सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के मुताबिक बेखौफ झोलाछाप चिकित्सको को इतना भी डर नहीं था की कम से कम वह नोडल अधिकारी के सामने तो अपनी दुकान बंद कर देते परंतु उन्होंने ऐसा नहीं किया। इसी बीच मौके पर पहुंचे एक समाज सेवी ने चुटकी लेते हुए झोलाछाप चिकित्सकों से कहा की कुछ तो शर्म किया करो जब एक अधिकारी द्वारा अवैध रूप से संचालित जच्चा बच्चा केंद्र संचालक के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज करने के बाद घटना के विवेचक को मौके पर ही बयान देने के लिए आए हुए हैं। इतनी बात सुनते ही एक झोलाछाप चिकित्सक ने जैसे ही अपनी दुकान का शटर नीचे गिराया आवाज सुनकर सभी झोलाछाप चिकित्सक आनंन-फानन में अपनी अपनी दुकान बंद करके भाग गए। ताबड़तोड़ तेजी के साथ झोला छाप चिकित्सकों की बंद हुई दुकानों को देखकर सन्नाटा फैल गया। लोग किसी अनहोनी घटना को देखकर इधर-उधर जान बचाकर भागने लगे जो नगर में एक चर्चा का विषय बना रहा। चर्चा यह भी है कि उपरोक्त झोलाछाप चिकित्सकों की दुकान खुली देखकर चिकित्सा अधीक्षक/नोडल अधिकारी डॉ प्रशांत त्यागी का पारा सातवें आसमान पर चढ़ गया और उन्होंने अपने साथ गए स्टाफ कर्मचारियों से तत्काल उपरोक्त क्षेत्र में दुकान खोले बैठे झोलाछाप चिकित्सकों की सूची बनाकर देने को कहा। इस बाबत नगर में लोगों की जुबान पर हो रही चर्चा जब सैंया भए कोतवाल तो डर काहै का कहावत पर नोडल अधिकारी/चिकित्साअधीक्षक डॉ प्रशांतत्यागी से मोबाइल पर संपर्क करने का प्रयास किया गया तो संपर्क नहीं हो सका।

नि:शुल्क ओ लेवल एवं सी0सी0सी0 कम्प्यूटर प्रशिक्षण हेतु आवेदन की तिथि 21 जुलाई तक बढ़ी

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवाल:- जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी विकास मौर्या ने बताया है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में पिछड़े वर्ग के बेरोजगार युवक/युवतियों को निःशुल्क ओ लेवल एवं सी०सी०सी० कम्प्यूटर प्रशिक्षण हेतु वेबसाइट पर आनलाइन आवेदन की तिथि 21 जुलाई तक बढ़ा दी गयी है, पहले यह तिथि 14 जुलाई तक निर्धारित थी। उन्होने बताया है कि पिछड़े वर्ग के अभ्यर्थी ओ लेवल एवं सी०सी०सी० कम्प्यूटर प्रशिक्षण हेतु आनलाइन आवेदन 21 जुलाई तक कर सकते है। भारत सरकार की अधिकृत संस्था नीलिट (राष्ट्रीय इलेक्ट्रानिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान) से मान्यता प्राप्त संस्थाओं के माध्यम से इण्टरमीडिएट उत्तीर्ण अन्य पिछड़े वर्ग के बेरोजगार युवक/युवतियों को ओ लेवल एवं सीसीसी कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रदान कराती है। आवेदन फाइनल रूप से सबमिट करने के उपरान्त सम्बन्धित अभ्यर्थियों द्वारा आनलाइन भरे गये आवेदन की हस्ताक्षरित हार्डकापी वांछित अभिलेखों सहित अन्तिम रूप से 21 जुलाई की सायं 5 बजे तक जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी अमेठी के कार्यालय विकास भवन में जमा किया जाना अनिवार्य होगा। आवेदन की हार्डकापी न जमा किये जाने पर आवेदन निरस्त माना जायेगा। अभ्यर्थी ओ लेवल एवं सी०सी०सी० कम्प्यूटर प्रशिक्षण हेतु वेबसाइट www. obccom putertraining. upsdc.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते है।

पुलिस ने किया 1 नफर वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

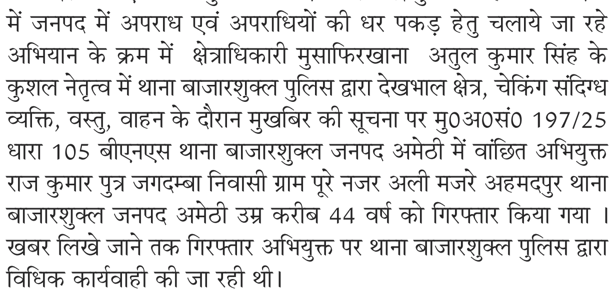

अमेठी। सब का सपना आदित्य बरनवाल:- एसपी अपर्णा रजत कौशिक के निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में जनपद में अपराध एवं अपराधियों की धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में क्षेत्राधिकारी मुसाफिरखाना अतुल कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व में थाना बाजारशुक्ल पुलिस द्वारा देखभाल क्षेत्र, चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान मुखबिर की सूचना पर मु0अ0सं0 197/25 धारा 105 बीएनएस थाना बाजारशुक्ल जनपद अमेठी में वांछित अभियुक्त राज कुमार पुत्र जगदम्बा निवासी ग्राम पूरे नजर अली मजरे अहमदपुर थाना बाजारशुक्ल जनपद अमेठी उम्र करीब 44 वर्ष को गिरफ्तार किया गया । खबर लिखे जाने तक गिरफ्तार अभियुक्त पर थाना बाजारशुक्ल पुलिस द्वारा विधिक कार्यवाही की जा रही थी।

थाने में नहीं हुई सुनवाई तो एसएसपी दफ्तर पहुंची महिला ने खाया जहर

बदायूं (सब का सपना) एसपी सैनी:- थाना पुलिस ने नहीं सुनी तो एसएसपी कार्यालय पहुंची महिला ने जहरीला पदार्थ खा लिया।पुलिस ने आनन-फानन में महिला को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। उपचार के बाद उसकी हालत में सुधार हुआ है। उसने अपने पति व ससुरालवालों पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है।एसपी देहात ने आरोपियों पर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। मामला मूसाझाग थाना क्षेत्र के हारनाथ तालगांव निवासी निशा बुधवार सुबह

11 बजे एसएसपी कार्यालय परिसर पहुंची। यहां उसने जहरीला पदार्थ खा लिया। इससे वह बेहोश होकर जमीन पर गिर गई। जिसके बाद पुलिसकर्मियों में खलबली मच गई। पुलिस ने उसे आनन फानन मे जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां समय से इलाज मिलने पर उसकी हालत में सुधार हुआ। निशा ने अपने पति मुशर्रफ और ससुरालवालों पर प्रताड़ना का आरोप लगाया है। उसने बताया कि मूसाझाग थाने में तहरीर दी थी लेकिन पुलिस ने पति व ससुरालियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। बच्चे के जन्म के बाद से ही ससुराल के लोग उसे पति के साथ नहीं रहने दे रहे हैं। पीड़िता ने बताया कि वह सात माह से थाने के चक्कर काट रही है,लेकिन उसकी कोई सुनने को राजी नहीं है। इससे आहत होकर उसने आत्मघाती कदम उठाया। एसपी देहात केके सरोज ने बताया कि महिला ने पति से परेशान होकर जहरीला पदार्थ खाया है। संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

नशा मुक्त अभियान के अंतर्गत 50 ग्राम स्मैक के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवाल:- पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में जनपद अमेठी में अपराध एवं अपराधियों की धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में व नशा मुक्त अमेठी अभियान के अन्तर्गत क्षेत्राधिकारी मुसाफिरखाना अतुल कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व में थाना मुसाफिरखाना पुलिस द्वारा देखभाल क्षेत्र, चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान अभियुक्त बचई उर्फ नन्दन पुत्र पाले उर्फ रामपाल निवासी ग्राम पूरे लालबहादुर का पुरवा

थाना शिवगढ़ जनपद रायबरेली उम्र करीब 46 वर्ष को गिरफ्तार किया गया। तलाशी से अभियुक्त के कब्जे से 50 ग्राम स्मैक बरामद हुआ। खबर लिखें जाने तक गिरफ्तारी व बरामदगी के संबन्ध में थाना मुसाफिरखाना पुलिस द्वारा विधिक कार्यवाही की जा रही है।

15 रुपये में मिलेगा अब गरीबों को पेट भर खाना

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवाल:- अमेठी जनपद वालों के लिए खुशखबरी हाजी इकबाल चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रबंधक हाजी महताब खान द्वारा बहुत जल्द गौरीगंज सब्जी मंडी ब्रिज के नीचे मजदूर गरीब बेसहारों के लिएड्ड15 में भरपेट भोजन की व्यवस्था हो रही है हाजी महताब खान ने बताया कि लोगों की दुआओं और आशीर्वाद की वजह से बहुत जल्द ओपनिंग होने वाली है। महताब खान रहे या ना रहे फिर भी हाजी इकबाल रसोई हमेशा चलती रहेगी। कोई प्यासा ना रहे कोई भूखा ना रहे यह ख्वाब कई वर्षों पहले हाजी महताब खान ने देखा था। जो अब पूरा होने वाला है और यह हाजी इकबाल रसोई पूरे प्रदेश के हर जिले में खोलने का लक्ष्य है। बस सभी क्षेत्र के लोगों की दुआओं और आशीर्वाद की जरूरत है। महताब खान ने कहां कि गौरीगंज वालों मेरे यारो मेरे प्यारो मेरी यह हाजी इकबाल रसोई बंद नहीं होनी चाहिए यह आप लोगों की जिम्मेदारी है। हाजी इकबाल चैरिटेबल ट्रस्ट की अध्यक्षा रशिदा महताब खान बहुत जल्द ओपनिंग की तारीख का ऐलान करेंगी।

पुलिस अधीक्षक अमरोहा द्वारा थाना अमरोहा देहात स्थित पुलिस बैरिकों का किया गया निरीक्षण

नवीनीकरण की प्रक्रिया शीघ्र प्रारम्भ करने हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये

पुलिस अधीक्षक अमरोहा द्वारा थाना अमरोहा देहात स्थित पुलिस बैरिकों का किया गया निरीक्षण नवीनीकरण की प्रक्रिया शीघ्र प्रारम्भ करने हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद द्वारा थाना अमरोहा देहात का भ्रमण कर बैरिकों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा बैरिकों की वर्तमान दशा का सूक्ष्मता से अवलोकन किया गया। उन्होंने भवन की स्थिति, जल निकासी व्यवस्था, शौचालय की दशा, पेयजल सुविधा, बिजली की स्थिति एवं पुलिसकर्मियों के कक्षों की गुणवत्ता का विस्तार से निरीक्षण किया। पुलिस बल की तैनाती, बैरिकों की साफ-सफाई सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं का गहन अवलोकन किया। निरीक्षण के पश्चात पुलिस अधीक्षक द्वारा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा गया कि बैरिकों में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाए, गर्मी व बारिश के दृष्टिगत पुलिसकर्मियों को समुचित सुविधा उपलब्ध कराई जाए, पेयजल, कूलर/पंखे एवं प्रकाश व्यवस्था की नियमित जांच की जाए। पुलिस अधीक्षक ने मौके पर मौजूद अधिकारियों से बैरिकों में तैनात कर्मियों की समस्याओं को भी जाना और उनके त्वरित समाधान हेतु आश्वस्त किया। पुलिस अधीक्षक द्वारा निर्देशित किया गया कि नवीनीकरण कार्यों को शीघ्र प्रारम्भ कर गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही यह भी कहा गया कि कार्य के दौरान पुलिसकर्मियों की अस्थायी व्यवस्था में कोई असुविधा न हो, इसका ध्यान रखा जाए। आम जनता के लिये स्वच्छ वातावरण स्थापित करते हुये जन सामान्य के बैठने एवं स्वच्छ पेय जल व प्रसाधन आदि की व्यवस्था करने तथा थाने को स्वच्छ एवं सुन्दर बनाने के लिए स्वच्छता अभियान के साथ वृक्षारोपण आदि करने हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया । बैरिकों के निरीक्षण के उपरान्त थाना कार्यालय में अपराध रजिस्टर, त्यौहार रजिस्टर आदि अभिलेखों का अवलोकन किया गया तथा महिला हेल्प डेस्क को गहनता से जाँचा परखा गया जिसमें आवेदिका/आने वाली पीड़िता का नाम, पता आदि एवं समस्या का स्पष्ट उल्लेख तथा समस्या निराकरण हेतु की गयी कार्यवाही एवं समस्या के निदान का विवरण उल्लेखित के संबंध में जानकारी की गयी तदोपरान्त कार्यालयों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रतिसार निरीक्षक अमरोहा, प्रभारी निरीक्षक थाना अमरोहा देहात आदि पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

दिल्ली के 5 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी, 3 दिन में 10 स्कूलों को मिले धमकी भरे ईमेल

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के पांच स्कूलों को फिर बुधवार को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। द्वारका स्थित सेंट थॉमस स्कूल, वसंत कुंज स्थित वसंत वैली स्कूल, हौज खास स्थित मदर्स इंटरनेशनल स्कूल, पश्चिम विहार स्थित रिचमंड ग्लोबल स्कूल और लोदी एस्टेट स्थित सरदार पटेल विद्यालय को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, बम की धमकी के बाद आनन-फानन में एहतियात के तौर पर स्कूल परिसर को खाली करा लिया गया है। दिल्ली पुलिस, बम निरोधक दस्ता और अग्निशमन विभाग की टीम स्कूल परिसर में जांच कर रही है। जांच टीम को अभी तक स्कूल परिसर में कोई संदिग्ध चीज नहीं मिली है। पिछले तीन दिनों में लगभग 10 स्कूलों और एक कॉलेज को बम से उड़ाने की ऐसी धमकियां मिली हैं। बता दें कि मंगलवार को भी डीयू के सेंट स्टीफन कॉलेज और द्वारका के सेंट थामस स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। किसी ने ईमेल कर स्कूल में आरडीएक्स और आइईडी रखा होने की जानकारी दी। सूचना मिलते ही सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया था। इससे पहले, सोमवार को चाणक्यपुरी स्थित नेवी चिल्ड्रन स्कूल और द्वारका के सीआरपीएफ स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। अभी इसकी जांच चल ही रही थी कि मंगलवार को एक बार बम से उड़ाने की धमकी भरा मेल मिला। ईमेल देखते ही स्कूल व कॉलेज की ओर से तुरंत पुलिस को खबर दी गई। तुरंत पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी बम और डॉग स्क्वॉयड के साथ मौके पर पहुंचे। स्कूल व कॉलेज परिसर को खाली करवाकर गहन तलाशी अभियान चलाया गया। गनीमत रही कि टीम को वहां से कुछ नहीं मिला। अच्छी तरह तलाशी लेने के बाद पुलिस ने इसे हॉक्स करार दिया था।

कालिंदी कुंज से नोएडा आने वाला एक रास्ता बंद, 23 जुलाई तक जाम से जूझेंगे लोग

दक्षिणी दिल्ली। कांवड़ियों को सुरक्षित निकालने के लिए यातायात पुलिस ने कालिंदी कुंज से नोएडा जाने वाले एक रास्ते को 23 जुलाई तक बंद कर दिया है। ऐसे में मंगलवार को दिनभर कालिंदी कुंज चौक पर वाहन रेंग-रेंग कर चलते रहे। हालांकि अभी कांवड़ियों के आने की संख्या कम है। ऐसे में यातायात पुलिस व्यस्त समय में उस रास्ते से भी वाहनों को निकाल रही है। पुलिस का कहना है कि 20 जुलाई के बाद परेशानी ज्यादा बढ़ेगी। इसी तरह कालिंदी कुंज से फरीदाबाद की ओर जाने वाले मार्ग पर भी अलग लेन बनाकर कांवड़ियों को निकाला जा रहा है। शाहीन बाग तक लग रही वाहनों की कतार सावन मास के शुरू होते ही कांवड़ियों का हरिद्वार से जल लेकर आने का सिलसिला शुरू हो गया है। ऐसे में कांवड़ियों को कालिंदी कुंज चौक से सुरक्षित निकालने के लिए यातायात पुलिस ने दिल्ली से नोएडा जाने वाली एक लेन को बैरिकेड लगाकर बंद कर दिया है। इस कारण मंगलवार को दिल्ली से नोएडा की ओर जाने वाला ट्रैफिक रेंग-रेंग कर चलता रहा। वाहनों की रफ्तार धीमी होने के कारण शाहीन बाग तक वाहनों की कतार लगी रही। इसी तरह नोएडा से फरीदाबाद की ओर जाने वाले मार्ग पर भी कांवड़ियों को निकालने के लिए पुलिस ने बैरीगेट और रस्सियों की मदद से करीब एक किलोमीटर लंबी लेन बनाई है ताकि वाहनों को निकलने में भी किसी तरह कोई परेशानी न हो। 23 जुलाई तक रहेगी परेशानी भोले के भक्त 23 जुलाई को सावन की शिव रात्री पर भगवान शंकर का जलाभिषेक करेंगे। ऐसे में कालिंदी कुंज पर यह व्यवस्था 23 जुलाई तक बनी रहेगी। अभी दिनभर में चार-पांच कांवड़िये यहां से गुजर रहे हैं।

दिल्ली सरकार का बड़ा फैसला, बिजली के बाद पानी का भी होगा निजीकरण; बिल पर क्या होगा असर?

नई दिल्ली। दिल्ली में बिजली आपूर्ति की तरह जल आपूर्ति व्यवस्था भी निजी हाथों में सौंपने की तैयारी है। इसके लिए दिल्ली जल बोर्ड को आठ जोन में विभाजित किया जाएगा। प्रत्येक जोन में जल व सीवेज प्रबंधन के लिए निजी आपरेटर तैनात किए जाएंगे। उनकी जिम्मेदारी पेयजल आपूर्ति व सीवर लाइन का रखरखाव, गैर राजस्व जल (एनआरडब्ल्यू) में कमी और उपभोक्ताओं से बिल वसूलने की जिम्मेदारी होगी। 50 प्रतिशत जल हो रहा बर्बाद या चोरी दिल्ली में उपलब्ध जल में से लगभग 50 प्रतिशत या तो बर्बाद हो रहा है या चोरी। इसे गैर राजस्व जल कहा जाता है। इस समस्या के समाधान के साथ ही उपभोक्ताओं को स्वच्छ जल उपलब्ध कराना दिल्ली जल बोर्ड के सामने बड़ी चुनौती है। राजधानी के कई क्षेत्र में पानी की किल्लत, दूषित पेयजल आपूर्ति व सीवर की समस्या रहती है। जल बोर्ड के अधिकारियों का कहना है कि दिल्ली में बिजली आपूर्ति की स्थिति खराब थी। वर्ष 2002 में बिजली वितरण निजी कंपनियों को सौंपने के बाद बिजली चोरी में कमी आने का साथ ही आपूर्ति भी सुधरी है। 29 लाख उपभोक्ताओं को जलापूर्ति करता है जल बोर्ड इसे ध्यान में रखकर जल आपूर्ति व सीवर प्रबंधन निजी हाथों में सौंपने का प्रस्ताव है। दिल्ली के जल मंत्री प्रवेश वर्मा का कहना है कि एक जोन एक ऑपरेटर नीति लाने की योजना तैयार की जा रही है। दिल्ली जल बोर्ड नौ जल उपचार संयंत्रों और 15600 किलोमीटर पाइप लाइन से लगभग 29 लाख उपभोक्ताओं को पानी आपूर्ति करता है। वर्ष 2011-12 में पायलट प्रोजेक्ट के अंतर्गत मालवीय नगर में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) के आधार पर जल आपूर्ति शुरू की गई। उसका अन्य क्षेत्रों में विस्तार नहीं किया गया। पिछले माह उसके अनुबंध की अवधि समाप्त हो गई थी, लेकिन उसे चार माह के लिए बढ़ा दिया गया है। दिल्ली सरकार के इस प्रस्ताव का रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) के पदाधिकारी विरोध कर रहे हैं। यूनाइटेड रेजिडेंट ऑफ दिल्ली के महासचिव सौरभ गांधी का कहना है कि बिजली आपूर्ति के निजीकरण से उपभोक्ताओं पर बोझ बढ़ा है। अब सरकार पानी को भी निजी हाथों में सौंपना चाहती है। निजीकरण का विरोध करने वाली भाजपा सरकार भी इसे बढ़ावा दे रही है। ईस्ट दिल्ली आरडब्ल्यूए ज्वाइंट फोरम के अध्यक्ष बीएस वोहरा ने कहा, कांग्रेस सरकार द्वारा बिजली का निजीकरण किया जिसका खामियाजा दिल्लीवासी भुगत रहे हैं। अब भाजपा सरकार जल बोर्ड को निजी हाथों में सौंपने की तैयारी कर रही है। मॉडल टाउन रेजिडेंट्स सोसाइटी के अध्यक्ष संजय गुप्ता ने कहा बिजली की तरह पानी को निजी हाथों में सौंपने का निर्णय गलत है।

पत्रकार अफसर अली के पिताजी का ट्रेन में निधन

बहजोई/संभल (सब का सपना):- पत्रकार के पिताजी का ट्रेन में निधन। परिजनों को जानकारी मिलने पर पत्रकार और उनके परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। अचानक हुई मृत्यु से पत्रकारों व मित्रों में शोक की लहर है। ज्ञात रहे कि अफसर अली सब का सपना (दैनिक समाचार पत्र) में बहजोई के प्रभारी हैं बीते मंगलवार को अफसर अली के पिताजी रहमत अली 64 वर्षीय अपने निज निवास गायत्री कॉलोनी चितौरा रोड बहजोई से अपने साले साहब के पास बेटी की शादी का भात बापस करने के लिए पटियाला पंजाब जाने के लिए ट्रेन के माध्यम से निकले थे। लेकिन बुधवार को जब परिजनों के द्वारा रहमत अली जी के लिए फोन किया गया तो फोन किसी अन्य व्यक्ति के द्वारा रिसीव किया गया। उनके द्वारा बताया गया की जिनका यह फोन है वह अभी अंबाला कैंट पहुंचने वाले हैं और बेहोशी की हालत में है। तब परिजनों के द्वारा कहा गया कि आप इन्हें अंबाला कैंट रेलवे पुलिस को सौंप दें। जिसके बाद रेलवे पुलिस के माध्यम से जानकारी मिली कि उनकी मृत्यु हो चुकी है। वहीं जानकारी मिलने पर परिजन अंबाला कैंट के लिए निकल चुके थे। परिजनों के द्वारा बताया गया कि बृहस्पतिवार सुबह लगभग 10:00 बजे तक पीएम होगा। पीएम होने के बाद ही रहमत अली को उनके निज निवास स्थान पर लाया जाएगा। जहां से उनके अंतिम संस्कार के लिए ले जाया जाएगा। सब का सपना दैनिक समाचार पत्र इनके पिताजी के निधन से दुःखी और स्तब्ध है। इस मुश्किल घड़ी में सब का सपना परिवार की गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता है। ईश्वर आपके पिताजी की आत्मा को शांति प्रदान करे और आपको इस गहरे दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। सब का सपना परिवार इस दुःख की घड़ी में आपके साथ है।

युवती को घर में अकेला पाकर मोबाइल से ली तस्वीर, एडिट करके सोशल मीडिया पर फोटो की वायरल

घटना से युवती हुई आहत, युवती की दो माह बाद होने वाली है शादी

पीड़ित की माता ने आरोपी के विरुद्ध मामले की कराई रिपोर्ट दर्ज

बदायूं (सब का सपना) एसपी सैनीः- थाना जरीफ नगर क्षेत्र के एक गांव निवासी पीड़ित महिला ने थाना पुलिस को दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया कि गांव के ही एक व्यक्ति ने मेरी पुत्री को घर में अकेला पाकर मोबाइल से उसके कुछ फोटो खींच लिए उपरोक्त फोटो को एडिट करके उन्हें सोशल मीडिया पर 28 जून को वायरल कर दिया जैसे ही उपरोक्त फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुई मेरी पुत्री ने जब उनको देखा तो वह भयभीत हो गईं। पीड़ित मां ने पुलिस को बताया कि मेरी पुत्री की दो माह बाद शादी होने वाली है घटना से मेरी पुत्री आहत हो गई है तथा वह तरह तरह की बहकी बहकी बातें करती है। पीड़ित मां ने आशंका व्यक्त की है की कही उसकी पुत्री कोई घातक कदम ना उठा ले। वह दिन रात चिंता करती रहती है परिजन भी चिंता ग्रस्त हो गए हैं। पीड़िता ने बताया कि अगर मेरी पुत्री ने कोई घातक कदम उठाया तो उसका जिम्मेदार राजपाल पुत्र गंगा सहाय निवासी गांव होगा। पुलिस ने पीड़िता के प्रार्थना पत्र पर आरोपी राजपाल पुत्र गंगा सहाय निवासी के विरुद्ध अपराध संख्या 138 एक्ट की धारा 67 के अंतर्गत आरोपी के विरुद्ध मामले की नामदर्ज रिपोर्ट लिखकर जांच प्रारंभ कर दी है!

दिल्ली पुलिस, एमसीडी समेत इनकी बढ़ सकती है परेशानी, करोल बाग मेगा मार्ट आग मामले में एचसी ने मांगा जवाब

नई दिल्ली। करोल बाग स्थित विशाल मेगा मार्ट में आग लगने के कारण दो युवकों की मौत का मामले में गैर सरकारी संगठन कुटुंब की याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने जवाब मांगा है। अदालत ने दिल्ली सरकार, अग्निशमन विभाग, दिल्ली पुलिस समेत अन्य एजेंसियों को नोटिस जारी कर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। कुटुंब संस्था ने याचिका में विशाल मेगा मार्ट के प्रबंधन, पुलिस अधिकारियों और अग्निशमन विभाग के खिलाफ जांच कराने की मांग की है। याचिका में दिल्ली नगर निगम, अग्निशमन सेवा, पुलिस विभाग और अन्य जिम्मेदार/संबंधित विभागों के अधिकारियों के खिलाफ जांच शुरू करने का निर्देश देने की मांग की गई है।

विदेशी नागरिक समेत दो तस्कर दबोचे, स्विफ्ट कार और नशीला पदार्थ बरामद

बाहरी दिल्ली। बाहरी दिल्ली में नशीली पदार्थ की तस्करी करने वाले एक विदेशी नागरिक सहित दो तस्करों को रोहिणी जिला स्पेशल स्टाफ ने गिरफ्तार किया है। वहीं, इनके कब्जे से 10.98 ग्राम नशीला पदार्थ मेथाक्वालोन और एक स्विफ्ट कार बरामद की है। आरोपितों की पहचान नाइजीरिया मूल के निलोठी एक्सटेंशन निवासी अजुका और करोलबाग निवासी दीपक गोला के रूप में हुई है। पुलिस इनसे पूछताछ कर इनके अन्य साथियों का पता लगा रही है। रोहिणी जिला पुलिस उपायुक्त राजीव रंजन ने बताया कि 13 जुलाई की दोपहर 12:10 बजे पुलिस टीम विजय विहार इलाके में गश्त कर रही थी। पुलिस ने रिठाला रोड पर एक संदिग्ध स्विफ्ट कार को रुकने का इशारा किया। पुलिस टीम को देखकर चालक भागने की कोशिश करने लगा। टीम ने उसे पीछा कर पकड़ लिया। तलाशी लेने पर कार चला रहे दीपक गोला के पास से 5.02 ग्राम मेथाक्वालोन ड्रग्स बरामद हुई। वहीं, पूछताछ करने पर उसने अपने सहयोगी का नाम बताया, जिसने उसे प्रतिबंधित पदार्थ दिया था। उसके निशानदेही पर पुलिस ने निलोठी एक्सटेंशन से 45 साल के नाइजीरियाई नागरिक अजुका को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से 5.96 ग्राम और मेथाक्वालोन ड्रग्स बरामद की गई। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है।

मंगलवार को हल्की बारिश से मौसम रहा सुहाना, आज कैसा रहेगा वेदर? आईएमडी का आया ताजा अपडेट

नई दिल्ली। मौसमी उतार चढ़ाव के बीच मंगलवार को दिल्ली में कहीं कहीं हल्की वर्षा हुई। लेकिन बुधवार को हल्की से मध्यम स्तर की वर्षा होने का पूवार्नुमान है। दिन भर बादल छाए रहेंगे। गर्जन वाले बादल बनने एवं बिजली चमकने की भी संभावना है। अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 32 और 24 डिग्री रह सकता है। इस बीच मंगलवार को मौसम थोड़ा सुहाना रहा। दिन भर हवा चलती रही। बादलों की लुकाछिपी के बीच दिन में कई बार धूप निकली तो कहीं कहीं बादल भी बरसे। दिल्ली का अधिकतम तापमान जहां 1.3 डिग्री कम 33.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं न्यूनतम तापमान 24.5 डिग्री रहा जो सामान्य से 2.7 डिग्री कम है। हवा में नमी का स्तर 100 से 65 प्रतिशत रहा। जहां तक वर्षा होने का सवाल है तो लोधी रोड और आयानगर में बूंदाबांदी जबकि मुंगेशपुर में 0.5 एवं मयूर विहार में 1.0 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। मौसम विभाग की मानें तो सप्ताह भर तक कमोबेश ऐसा ही मौसम बना रहेगा। बुधवार के बाद या तो हल्की वर्षा होगी या फिर बूंदाबांदी। तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। अलबत्ता, उमस भरी गर्मी थोड़ा बहुत परेशान कर सकती है।

देशभर के 22 पूर्व कैडेट्स किए गए सम्मानित, हर शख्स अपने क्षेत्र का धुरंधर

नई दिल्ली। एनसीसी स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित एक समारोह में देशभर के 22 पूर्व कैडेटों को एनसीसी अचीवर्स अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया। यह समारोह दिल्ली कैंट स्थित प्रताप हाल डीजी एनसीसी कैंप में एनसीसी एलुमनी क्लब द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें एनसीसी महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल गुरबीरपाल सिंह ने पुरस्कार प्रदान किए। इन्हें किया गया सम्मानित पुरस्कृत पूर्व कैडेटों में प्रमुख नाम एडीजी पीवीएस नारायण, पर्यटन मंत्रालय से आर.के. भाटी, गुजरात की एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट प्रिया अहीर, पंजाब यूनिवर्सिटी के डा. कुलदीप सिंह, गृह मंत्रालय के अधिकारी तपन तलवेलकर, नाडा की गीतांजलि शर्मा, हंसराज स्कूल की प्रिंसिपल हीमल भट, यूनिस्टार फुटवियर के हरि शंकर बाहेती, नगेरो के गणेश सहाय, डीडी न्यूज के देवेंद्र सिंह रावत, जागरण के अरुण शुक्ला सहित अन्य। समारोह के विशिष्ट अतिथियों में आकाशवाणी की महानिदेशक डा. प्रज्ञा पालीवाल गौड़, एडीजी एयर वाइस मार्शल पीवीएस नारायण, सुप्रीम कोर्ट में वरिष्ठ अधिवक्ता एडवोकेट एसके शर्मा, सामाजिक कार्यकर्ता योगिता भयाना और एनसीसी एलुमनी क्लब के अध्यक्ष गिरीश निशाना शामिल रहे। इन कॉलेजों को कहा गया 'सर्वश्रेष्ठ' कॉलेज श्रेणियों में दिल्ली टेक्नोलाजिकल यूनिवर्सिटी (डीटीयू) को छात्र वर्ग में, एसजीटीबी खालसा कालेज को छात्रा वर्ग में तथा देशबंधु कॉलेज को ओवरऑल सर्वश्रेष्ठ कॉलेज घोषित किया गया। पुरस्कार चयन के लिए गठित जूरी कमेटी में मेजर डा. एसके कौशिक, पीपी सिंह, संस्कृति मंत्रालय से जितेंद्र कुमार, प्रदीप महाजन, पर्यावरणविद् रवि ज्ञान चौधरी समेत 10 सदस्य शामिल थे।इस वर्ष कुल 838 आवेदनों में से 22 को चयनित किया गया। समारोह के दौरान डा. उज्जवल चुघ की पुस्तक साइबर शील्डः डिजिटल दुनिया में साइबर अपराध से सुरक्षा का भी विमोचन किया गया। इस मौके पर एनसीसी एलुमनी क्लब के कोषाध्यक्ष कर्ण कपूर, प्रेस सचिव सौम्य राय, प्रशिक्षण सचिव विकास मेहता, कार्यकारी सदस्य सीनियर जीसीआई निवा सिंह और निखिल रंजन , मनीष तिवारी गुलशन कौशिक मुख्य रूप से मौजूद रहे।

मरीज के तीमारदार की जेब से उचक्के ने उड़ा दिया पर्स

सीसीटीवी में कैद हुआ उच्चका

बदायूं (सब का सपना) एसपी सैनीः- बदायूं जनपद के थाना कोतवाली क्षेत्र निवासी सोहेल नवाज खान पुत्र शमसुद्दीन ने थाना सिविल लाइंस पुलिस को दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया कि वह जैन हॉस्पिटल में बाइक से अपनी पत्नी को दिखाकर मेडिकल स्टोर से दवाई खरीद रहे थे की इसी बीच किसी उचक्के ने उनकी जेब में रखा पर्स उड़ा दिया। पर्स में उनका आधार कार्ड, पैन कार्ड, एटीएम कार्ड, वोटर कार्ड आदि चोरी कर लिया गया। चोर द्वारा घटना को अंजाम देने की घटना मेडिकल स्टोर पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। कैमरे के आधार पर सोहेल नवाज खान ने पुलिस से मामले की रिपोर्ट दर्ज कर कार्यवाही करने के लिए फरियाद की। जिस पर पुलिस ने अज्ञात चोर के विरुद्ध मामले की रिपोर्ट दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है।

विराट कोहली ने रचा इतिहास, सभी फॉर्मेट में 900 रेटिंग अंक छूने वाले पहले बल्लेबाज बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली टी20आई और हाल ही में टेस्ट से संन्यास लेने के बावजूद लगातार रिकॉर्ड तोड़ रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) ने बुधवार को उनके अधिकतम टी20आई रेटिंग अंक 909 अंक तक बढ़ा दिए हैं। इस तरह वह खेल के सभी प्रारूपों में ICC पुरुष क्रिकेट रैंकिंग में 900 अंकों का आंकड़ा पार करने वाले खेल इतिहास के एकमात्र बल्लेबाज बन गए हैं।

पिछले साल ICC टी20 विश्व कप के फाइनल में 76 रन की शानदार पारी खेलकर खिताब अपने नाम करने वाले कोहली ने अपनी टी20आई रेटिंग में सुधार किया। विजडन के अनुसार ICC ने उनकी सर्वकालिक टी20आई रेटिंग को 897 से बढ़ाकर 909 कर दिया है। यह ICC पुरुष टी20आई रैंकिंग में किसी बल्लेबाज द्वारा हासिल किए गए तीसरे सबसे अधिक रेटिंग अंक हैं, जो सूर्यकुमार यादव (912) और इंग्लैंड के डेविड मलान (919) के बाद दूसरे स्थान पर हैं, जो रैंकिंग चार्ट में शीर्ष पर काबिज हैं।

ICC पुरुष टेस्ट रैंकिंग में विराट के सर्वोच्च रेटिंग अंक 937 हैं, जो किसी भारतीय बल्लेबाज के लिए सर्वाधिक और कुल मिलाकर 11वें सर्वाधिक हैं। उन्होंने 2018 में इंग्लैंड दौरे के दौरान यह उपलब्धि हासिल की थी, जहां उन्होंने 10 पारियों में दो शतकों और तीन अर्द्धशतकों की मदद से 593 रन बनाए थे और बल्लेबाजों के लिए एक खराब श्रृंखला में भारत के लिए अकेले योद्धा रहे थे।

वनडे में विराट के रेटिंग अंक 2018 में इंग्लैंड दौरे के दौरान 909 के शिखर पर पहुंच गए थे, जहां उन्होंने तीन वनडे मैचों में 191 रन बनाए थे, जिसमें दो अर्धशतक शामिल थे। अपनी सफलता के चरम पर विराट को एक समय ICC पुरुष टेस्ट, वनडे और टी20आई रैंकिंग में एक साथ नंबर एक बल्लेबाज का दर्जा दिया गया था।

इस नई उपलब्धि के साथ विराट ने एक और मजबूत बयान दिया है जो इस तर्क का समर्थन करता है कि वह सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ ऑल-फॉर्मेट बल्लेबाज हो सकते हैं। विराट ने 125 मैचों और पारियों में 48.69 की औसत से 4,188 रन बनाकर टी20आई से संन्यास लिया, जिसमें एक शतक और 25 अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 122* है। वह इस प्रारूप के इतिहास में तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं।

इस साल मई में विराट ने नए आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) चक्र से पहले टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की, जो ऑस्ट्रेलिया के निराशाजनक दौरे के बाद लिया गया जहां वह 5 मैचों की नौ पारियों में 23.75 की औसत से केवल 190 रन ही बना सके, जिसमें पर्थ में एक शतक उनका उल्लेखनीय योगदान था। वह भारत के चौथे सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले खिलाड़ी के रूप में सेवानिवृत्त हुए और कुल मिलाकर सर्वकालिक सूची में 19वें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 46.85 की औसत से 9,230 रन बनाए हैं, जिसमें 30 शतक और 31 अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 254* है।

विराट अभी भी एकदिवसीय मैचों में सक्रिय हैं, उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 183 है। वह वनडे में अब तक के तीसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले और भारत के लिए दूसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उनका आखिरी वनडे मैच मार्च में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाला अभियान था, जिसके दौरान उन्होंने पाँच मैचों में 218 रन बनाए, जिसमें पाकिस्तान के खिलाफ एक शतक और सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक अर्धशतक शामिल था।

सभी प्रारूपों में विराट ने 52.27 की औसत से 27,599 रन बनाए हैं जिसमें 617 पारियों में 82 शतक और 143 अर्द्धशतक शामिल हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 254* है। वह भारत के अब तक के दूसरे सबसे ज़्यादा अंतरराष्ट्रीय रन बनाने वाले और कुल मिलाकर तीसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं।

पीवी सिंधू जापान ओपन के पहले दौर में बाहर, सात्विक-चिराग और लक्ष्य दूसरे दौर में

तोक्यो (एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू एक बार फिर पहले दौर से आगे बढ़ने में नाकाम रही लेकिन लक्ष्य सेन पुरुष एकल तथा सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी बुधवार को यहां जापान ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में आसान जीत के साथ दूसरे दौर में पहुंच गए। पूर्व विश्व चैंपियन 30 वर्षीय सिंधू को इस सुपर 750 टूर्नामेंट में कोरिया की सिम यू जिन के हाथों 15-21, 14-21 से हार का सामना करना पड़ा। यह इस वर्ष पांचवां अवसर है जबकि सिंधू पहले दौर की बाधा पार नहीं कर पाई।

सिंधू ने पहले गेम में थोड़ी चुनौती पेश की लेकिन इस बीच उन्होंने काफी गलतियां भी की जिसका फायदा उठाकर सिम यह गेम जीतने में सफल रही। दूसरे गेम में सिंधू जल्दी ही 1-6 से पीछे हो गईं। वह हालांकि स्कोर 11-11 से बराबर करने में कामयाब रहीं, लेकिन कोरियाई खिलाड़ी ने आसानी से बढ़त बनाकर सीधे गेम में मैच अपने नाम कर लिया। सिम ने इस तरह से भारतीय खिलाड़ी के खिलाफ अपने करियर की पहली जीत हासिल की।

इससे पहले पुरुष युगल में वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज सात्विक और चिराग ने कांग मिन ह्युक और किम डोंग जू की कोरियाई जोड़ी को केवल 42 मिनट में 21-18, 21-10 से हराया। विश्व की पूर्व नंबर एक भारतीय जोड़ी को लय हासिल करने में थोड़ा समय लगा और कोरिया के खिलाड़ियों में पहले गेम में उनके सामने कड़ी चुनौती पेश की। सात्विक और चिराग ने दूसरे गेम में शुरू से ही दबदबा बना कर रखा और आसानी से अगले दौर में प्रवेश किया।

इस बीच पिछले कुछ समय से खराब फॉर्म में चल रहे लक्ष्य सेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चीन के वांग झेंग जिंग को 21-11, 21-18 से हराया। विश्व के 18वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य ने पहले गेम में पूरी तरह नियंत्रण बनाए रखा और 11-2 की बढ़त बना ली और फिर बिना किसी परेशानी के गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में जिंग ने चुनौती पेश की, लेकिन लक्ष्य ने शुरुआती लय का फायदा उठाते हुए बढ़त बनाए रखी और सीधे गेम में मैच जीत लिया। अब उनका सामना जापान के सातवें वरीय खिलाड़ी कोडाई नाराओका से होगा।

आईसीसी ने इंग्लैंड टीम पर लगाया भारी जुर्माना

–दो डब्लयूटीसी अंक भी काटे गये

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने लॉर्ड्स टेस्ट मैच में धीमी ओवर गति के लिए इंग्लैंड की टीम पर भारी जुर्माना लगाया है। इसके साथ ही भारत के खिलाफ इस टेस्ट में मिली जीत के बाद भी इंग्लैंड की टीम के खाते में से आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लयूटीसी) अंक भी काटे गए हैं। धीमी ओवर गति के लिए आईसीसी ने इंग्लैंड पर 10 फीसदी मैच फीस का जुर्माना लगाया है। इसके साथ-साथ टीम के खाते में से दो अंक भी काटे गए हैं, जिससे उनका जीत प्रतिशत 66.67 से नीचे आया है और टीम दूसरे से तीसरे नंबर पर फिसल गयी है। दूसरा मैच जीतकर इंग्लैंड के 66.67 फीसदी जीत अंक थे जो अब अब घटकर 60 फीसदी रह गये हैं।

आईसीसी एलीट पैनल के मैच रेफरी रिची रिचर्डसन ने इंग्लैंड की टीम को धीमी ओवर गति के लिए दोषी पाया है। दो ओवर की देरी इंग्लैंड टीम को भारी पड़ी है। प्लेयर्स एंड प्लेयर्स सपोर्ट स्टाफ के लिए आईसीसी की आचार संहिता के नियम 2.22 के

अनुसार, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है, खिलाड़ियों पर उनके द्वारा निर्धारित समय में गेंदबाजी करने में असफल रहने पर प्रत्येक ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। इंग्लैंड ने दो ओवर तय समय में नहीं फेंके तो उन पर 10 फीसदी जुर्माना लगा है।

इंग्लैंड की टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने ये गलती स्वीकार कर ली ओर दंड भी मान लिया है। इसलिए इस मामले में आगे औपचारिक सुनवाई की कोई जरुरत नहीं पड़ी। मैदानी अंपायर पॉल रीफेल और शरफुद्दौला इब्ने शाहिद, तीसरे अंपायर अहसान रजा और चौथे अंपायर ग्राहम लॉयड ने इंग्लैंड पर ये आरोप तय किए थे। मैच रेफरी ने इन आरोपों को सही पाया और इंग्लैंड को सजा दी गई।

जो रूट एक सप्ताह बाद फिर टेस्ट रैंकिंग में नं. 1 बल्लेबाज बने, बुमराह शीर्ष पर कायम

दुबई (एजेंसी)। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट ने आईसीसी पुरुष टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। उन्होंने इसे खोने के एक सप्ताह के भीतर ही शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है जबकि भारत के ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा बुधवार को जारी नवीनतम सूची में 34वें स्थान पर पहुंच गए हैं। लॉर्ड्स में भारत के खिलाफ 5 मैचों की श्रृंखला के तीसरे टेस्ट में रूट ने 104 और 40 रनों की पारी खेली थी। इंग्लैंड ने यह मैच 22 रनों से जीता था। इस पारी की बदौलत रूट ने आठवीं बार शीर्ष स्थान हासिल किया है।

रूट 34 साल की उम्र में दिसंबर 2014 में कुमार संगकारा के बाद सबसे उम्रदराज नंबर 1 टेस्ट बल्लेबाज हैं। संगकारा तब 37 साल के थे। रूट ने अपना शीर्ष स्थान हमवतन हैरी ब्रूक से गंवा दिया था, जो केन विलियमसन के बाद तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं। भारतीय बल्लेबाजों में सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और उप-कप्तान ऋषभ पंत एक-एक पायदान नीचे खिसककर क्रमशः पांचवें और आठवें स्थान पर हैं जबकि कप्तान शुभमन गिल भी तीन पायदान गिरकर नौवें स्थान पर आ गए हैं।

लॉर्ड्स में 72 रनों की पारी और नाबाद 61 रनों की आक्रामक पारी के बाद जडेजा 5 पायदान ऊपर चढ़कर

34वें स्थान पर पहुंच गए हैं। उसी मैच में 100 और 39 रनों की पारी खेलने वाले केएल राहुल भी 5 पायदान ऊपर चढ़कर अब जडेजा से एक पायदान पीछे 35वें स्थान पर हैं। लॉर्ड्स में 77 रन और 5 विकेट लेकर इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स के 'प्लेयर ऑफ द मैच' प्रदर्शन ने उन्हें बल्लेबाजों में दो पायदान ऊपर चढ़कर 42वें और गेंदबाजों में एक पायदान ऊपर चढ़कर 45वें स्थान पर पहुंचा दिया है।

बुमराह पहले स्थान पर कायम

भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में अपना दबदबा बनाए हुए हैं और दक्षिण अफ्रीका के कगिसो रबाडा पर 50 अंकों की बढ़त के साथ शीर्ष स्थान पर बरकरार हैं। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड ने लंबी छलांग लगाई है और छह स्थान ऊपर चढ़कर अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ छठे स्थान पर पहुंच गए हैं।

बोलैंड के टेस्ट क्रिकेट में 16.53 की औसत से 62 विकेट लेने वाले और उनका औसत से सिर्फ आईसीसी हॉल ऑफ फेमर्स जॉर्ज लोहमैन और सिडनी बार्न्स ही ले पाए हैं। वे अपने चार हमवतन खिलाड़ियों पैट कमिंस, जोश हेजलवुड, नाथन लियोन और मिशेल स्टार्क के साथ शीर्ष 10 में शामिल हो गए हैं। 1958 में इंग्लैंड के छह गेंदबाजों के शीर्ष 12 में शामिल होने के बाद से इस तरह का दबदबा नहीं देखा गया है। भारतीय ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर 58वें से 46वें स्थान पर आ गए हैं।

डोपिंग मामले में टेनिस खिलाड़ी तारा पर चार साल का प्रतिबंध

लंदन। ब्रिटेन की महिला टेनिस खिलाड़ी तारा मूर पर डोपिंग मामले में चार साल का प्रतिबंध लगाया जाएगा। खेल पंचाट ने तारा पर ये पाबंदी लगायी है। खेल पंचाट ने अंतरराष्ट्रीय टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी (आईटीआईए) के साथ सहमति के बाद कहा कि तारा को प्रदर्शन बढ़ाने वाली दवाओं के सेवन के लिए प्रतिबंधिति किया जाना जरुरी था। इस खिलाड़ी को अप्रैल 2022 में एनाबॉलिक स्टेरॉयड बोल्डेनोन और नैंड्रोलोन के सेवन के लिए पॉजिटिव पाया गया था पर दिसंबर 2023 में उन्हें खेलने की अनुमति मिल गयी थी। वहीं इससे पहले एक स्वतंत्र पंचाट ने फैसला दिया कि कोलंबिया में एक प्रतियोगिता में भाग लेने के दौरान दूषित मांस खाने के कारण तारा पॉजिटिव हुई होगी। आईटीआईए ने उस फैसले के खिलाफ खेल पंचाट में अपील की थी। खेल पंचाट ने आईटीआईए के पक्ष में फैसला दिया, जिसमें कहा गया कि उसके पैनल के अधिकतर सदस्यों का यह मानना था कि तारा यह साबित नहीं कर पाई कि दूषित मांस के सेवन के कारण उनका नमूना पॉजिटिव पाया गया था।

जितेश शर्मा ने 2025-26 के घरेलू सत्र से पहले विदर्भ को छोड़ा, अब इस टीम के लिए खेलेंगे

नई दिल्ली। विदर्भ और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विकेटकीपर जितेश शर्मा आगामी सत्र में बड़ौदा का प्रतिनिधित्व करेंगे। 31 वर्षीय जितेश शर्मा 2024-25 रणजी ट्रॉफी के दौरान किसी भी मैच में नहीं खेले और कप्तान और पहली पसंद विकेटकीपर अक्षय वाडकर के बाद दूसरे स्थान पर रहे। वह करुण नायर की अगुवाई वाली विदर्भ की सीमित ओवरों की टीम का हिस्सा बने रहे। बड़ौदा में स्थानांतरण की योजना पिछले कुछ समय से चल रही थी और माना जा रहा है कि बड़ौदा के कप्तान क्रुणाल पांड्या के साथ जितेश के घनिष्ठ संबंधों ने इस कदम को आसान बनाया। क्रुणाल पांड्या इस साल की शुरुआत में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की पहली आईपीएल खिताबी जीत के दौरान उनके साथी खिलाड़ी थे। इस बदलाव से जितेश को प्रथम श्रेणी क्रिकेट में नियमित खिलाड़ी के रूप में अपनी जगह पक्की करने का एक नया मौका मिल सकता है। जितेश 2015-16 में पदार्पण करने के बाद से पिछले दस सत्रों में केवल 18 प्रथम श्रेणी मैचों में ही खेल पाए हैं। उनका औसत 24.48 का है, जिसमें चार अर्धशतक शामिल हैं। उनका सबसे हालिया प्रथम श्रेणी मैच लगभग 18 महीने पहले खेला गया था। लाल गेंद वाले क्रिकेट में सीमित मैच खेलने के बावजूद, जितेश ने पिछले कुछ वर्षों में छोटे प्रारूपों में अपनी छाप छोड़ी है। 2023 में पंजाब किंग्स के लिए खेलने के बाद, जितेश ने उसी साल अक्टूबर में एशियाई खेलों के दौरान भारत के लिए टी20 में पदार्पण किया। उन्होंने नौ टी20 मैच खेले हैं।

भारत की अंडर-19 और इंग्लैंड के बीच खेला गया पहला यूथ टेस्ट रहा ड्रॉ

बेकेनहम (एजेंसी)। हमजा शेख (112) की शतकीय और राल्फी एल्बर्ट और जैक होम की जूझारू पारियों की बदौलत इंग्लैंड की अंडर-19 टीम भारत के खिलाफ खेले गए पहले यूथ टेस्ट मैच को आखिरी दिन ड्रॉ कराने में सफल रही। 350 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड मैच के आखिरी दिन मंगलवार को दूसरी पारी में सात विकेट पर 270 रन ही बना सकी।

भारत की अंडर-19 टीम ने दूसरी पारी में विहान मल्होत्रा के (63) और आरएस अम्ब्रिश के (53) रनों की बदौलत इंग्लैंड को 63 ओवर में 350 रनों का लक्ष्य दिया था। आर्ची वॉन ने इंग्लैंड के लिए 84 रन देकर छह विकेट लिए। इंग्लैंड, तीन विकेट जल्दी गंवाने के बाद हमजा शेख और बेन मेयस के बीच 119 रनों की साझेदारी हुई। मेयस 51 रन बनाकर आउट हुए। वहीं शेख 112 रनों की पारी खेलकर रनआउट हुये। जब रियू 50 रन बनाने के बाद आउट हुए तो भारत को जीत की उम्मीद जगी लेकिन अंत में राल्फी एल्बट और जैक होम ने 11.5 ओवर तक बल्लेबाजी करते हुए ड्रॉ सुनिश्चित किया।

इससे पहले भारत ने आखिरी दिन की शुरुआत 229 रनों की बढ़त और सात विकेट हाथ में के साथ की। जहां मल्होत्रा 34 और अभिज्ञान कुंडु क्रीज पर थे। मल्होत्रा को अपने अर्धशतक तक पहुंचने में केवल 15 मिनट लगे जब उन्होंने वॉन की गेंद पर कवर ड्राइव लगाते हुए चौका लगाया, लेकिन कुछ ही देर बाद वह रियू की गेंद पर आउट भी हो गए। बारिश के बाद जब मैच दोबारा शुरू हुआ तो रियू ने लंच से पहले भारत के दो और विकेट झटक लिए। कुंडु 11 रनों पर ग्रीन के हाथों लपके गए और राहुल कुमार हुक के प्रयास में विकेट के पीछे जेम्स मिंटो के द्वारा लपके गए।

वॉन ने मोहम्मद इनान को पांच और हेनिन पटेल को रॉकी फ्लिंटॉफ के द्वारा कैच कराकर अपना पांचवां विकेट लिए। इससे लंच तक भारत का स्कोर 8 विकेट पर 209 रन था। इसके बाद भारतीय टीम 57.4 ओवर में 248 रन पर सिमट गई। अब इंग्लैंड को जीत के लिए 350 रनों का लक्ष्य मिला।

दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने सलामी बल्लेबाज ए वॉन मात्र तीन रन बनाकर देवेंद्रन की गेंद पर विकेट के पीछे कैच आउट हो गए। इसके बाद जेडन डेनली ने अम्ब्रिश को हुक करने की कोशिश की और वैभव सूर्यवंशी ने 19 रन पर बाउंड्री पर कैच पकड़ लिया। जबकि फ्लिंटॉफ ने सिंह को ड्राइव करने की कोशिश की और 11 रन पर चावड़ा ने लांग

ऑन पर कैच पकड़ा। फिर भी मेयस जब सात रन पर थे तब देवेंद्रन के हाथों उन्हें जीवनदान मिला। चायकाल तक इंग्लैंड का स्कोर 3 विकेट पर 83 रन था और उस समय भी लक्ष्य का पीछा जारी था।

शेख ने सिंह की गेंद पर छक्का लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया, लेकिन इंग्लैंड को एक बड़ा झटका तब लगा जब दोनों बल्लेबाज विकेटकीपर छोर पर थे और भारत ने गलत स्टंप पर गेंद फेंकी, जिससे मेयस को सुरक्षित वापसी का मौका मिल गया। उन्होंने एक शानदार स्वीप शॉट लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया। मेयर (51) अम्ब्रिश की गेंद कैच आउट हुए।

रियू के आने और तुरंत आक्रामक होने के बाद, दोनों टीमों के बीच हाथ मिलाने की आशंकाएं ख़त्म हो गईं। एकांश सिंह (एक) रन आउट हुए। रियू 35 गेंदों में (50) रनों की अर्धशतकीय पारी खेलकर आउट हुये। इसके रलफी एलबर्ट 37 और 36 गेंदे खेलकर मैच को ड्रा कराने में अहम योगदान दिया। भारत की अंडर-10 टीम ने पहली पारी में 540 रनों का विशाल स्कोर बनाया था। इंग्लैंड की टीम 439 रन ही बना सकी थी।

स्ट्राइकर दीपिका ने पोलिग्रास मैजिक स्किल अवॉर्ड जीता, पुरुषों में विक्टर वेगनेज को किया गया सम्मानित

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम की स्ट्राइकर दीपिका ने एफआईएच प्रो लीग 2024-25 सत्र के भुवनेश्वर चरण के दौरान नीदरलैंड के खिलाफ किए गए अपने मैदानी गोल के लिए पोलिग्रास मैजिक स्किल पुरस्कार जीता है। एफआईएच हॉकी प्रो लीग के 2024-25 सत्र के लिए पोलिग्रास मैजिक स्किल अवॉर्ड के विजेता का फैसला दुनियाभर के हॉकी खेल प्रेमियों के मतदान के आधार पर किया गया। दीपिका ने ये गोल फरवरी 2025 में प्रो लीग के भुवनेश्वर चरण के दौरान किया था। कलिंग स्टेडियम में खेला गया ये मैच निर्धारित समय में 2-2 से बराबर रहा था, जिसके बाद भारत ने शूटआउट में नीदरलैंड को हराया। भारतीय टीम जब दो गोल से पीछे चल रही थी तब दीपिका ने 35वें मिनट में ये अविश्वसनीय गोल किया। उन्होंने नीदरलैंड की रक्षा पंक्ति को भेदते हुए बायीं ओर से बेहतरीन तरीके से ड्रिबल किया, बेसलाइन को छुआ और एक डिफेंडर की स्टिक के ऊपर से गेंद को आगे निकालकर गोलकीपर को छकाते हुए गेंद को नेट में पहुंचाया। दीपिका ने कहा कि, ये पुस्कार पाकर मैं सचमुच सम्मानित महसूस कर रही हूं। नीदरलैंड जैसे कड़े प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ गोल करना मेरे लिए सचमुच में विशेष पल था और अब ये सम्मान पाना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मैं अपने साथियों, कोचों, परिवार और दोस्तों का शुक्रिया अदा करती हूं जो हर दिन मेरा हौसला बढ़ाते रहते हैं।

'कुछ मैच जीत या हार से बढ़कर होते हैं' : लॉर्ड्स में करीबी हार के बाद केएल राहुल हुए भावुक

लंदन (एजेंसी)। भारतीय सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड से मिली हार के बाद एक भावुक संदेश लिखा, जिसमें उन्होंने कहा कि 'कुछ मैच जीत या हार से बढ़कर होते हैं'। शोएब बशीर के हाथों मोहम्मद सिराज का दुर्भाग्यपूर्ण आउट होना जिसमें गेंद पिच पर लगने के बाद वापस स्टंप्स में जा लगी, लॉर्ड्स में भारत के अडिग प्रतिरोध का अंत हो गया और रवींद्र जडेजा 22 रनों की दिल तोड़ने वाली हार के बाद मैदान पर ही रह गए। भारत मैच के अधिकांश समय इंग्लैंड पर हावी रहने के बावजूद हार गया जिसमें सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करने वालों में से एक राहुल थे, जो एक से ज्यादा मौकों पर लॉर्ड्स ऑनर्स बोर्ड पर अपना नाम दर्ज कराने वाले केवल दूसरे भारतीय बने।

बुधवार को इंस्टाग्राम पर राहुल ने कहा, 'कुछ मैच जीत या हार से बढ़कर होते हैं। वे आपके जज्बे और आपके चरित्र की परीक्षा लेते हैं। और सीख आपको और मजबूत

बनाती है।' मौजूदा सीरीज में केएल ने तीन मैचों और छह पारियों में 62.50 की औसत से 375 रन बनाए हैं, जिसमें 137 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर, दो शतक और एक अर्धशतक शामिल है। वह सीरीज में चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। इस सीरीज ने इंग्लैंड में उनके बल्लेबाजी औसत में काफी सुधार किया है, जो इसे 30 के दशक से 40 के शुरुआती दशक में ले गया है। इंग्लैंड में 12 टेस्ट मैचों में उन्होंने 24 पारियों में 41.20 की औसत से 989 रन बनाए हैं जिसमें चार शतक और दो अर्द्धशतक शामिल हैं। इंग्लैंड में उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 149 है।

मैच की बात करें तो इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का विकल्प चुना। इंग्लैंड का स्कोर 44/2 हो गया था, लेकिन ओली पोप (104 गेंदों में 44 रन, चार चौकों की मदद से) और जो रूट (199 गेंदों में 104 रन, 10 चौकों की मदद से) के बीच 109 रनों की साझेदारी और ब्रायडन कार्स (83 गेंदों में 56 रन, छह चौकों और एक छक्के की मदद से) और जेमी स्मिथ (56 गेंदों में 51 रन, छह चौकों की मदद से) के बीच आठवें विकेट के लिए 84 रनों की जवाबी साझेदारी ने इंग्लैंड को 387 रनों तक पहुंचाया। जसप्रीत बुमराह (5/74) भारत के लिए गेंदबाजी में सबसे शानदार गेंदबाज रहे।

दूसरी पारी में भारत ने यशस्वी जायसवाल का विकेट जल्दी गंवा दिया, लेकिन करुण नायर (46 गेंदों में 26 रन, पांच चौके) और केएल राहुल के बीच 61 रन की साझेदारी और केएल (177 गेंदों में 100 रन, 13 चौके) और ऋषभ पंत (112 गेंदों में 74 रन, आठ चौके और दो छक्के) के बीच 141 रन की साझेदारी ने भारत को इंग्लैंड के स्कोर के करीब पहुंचा दिया। रवींद्र जडेजा (131 गेंदों में 72 रन, आठ चौके और एक छक्का) के शानदार अर्धशतक और निचले क्रम में नीतीश कुमार रेड्डी (30) और वाशिंगटन सुंदर (23) के योगदान ने भारत को 387 रन तक पहुंचाया जिसमें दोनों टीमों के बीच कोई अंतर नहीं था। क्रिस वोक्स (3/84) इस पारी में इंग्लैंड के शीर्ष गेंदबाज थे। इंग्लैंड की दूसरी पारी में भारत ने लगातार इंग्लैंड को दबाव में रखा सिवाय रूट (96 गेंदों में 40 रन, एक चौका) और स्टोक्स (96 गेंदों में 33 रन, तीन चौके) के बीच पांचवें विकेट के लिए 67 रन की साझेदारी के। सुंदर (4/22) ने खेल का रुख पलटते हुए मध्यक्रम को तहस-नहस कर दिया और इंग्लैंड को 192 रनों पर समेट दिया। भारत को जीत के लिए 193 रनों का लक्ष्य मिला। लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम इंडिया का स्कोर 82/7 हो गया। हालांकि जडेजा (181 गेंदों में चार चौकों और एक छक्के की मदद से 61* रन) हार मानने के मूड में नहीं थे। उन्होंने निचले क्रम के बल्लेबाजों के साथ मजबूत साझेदारियां कीं जिससे इंग्लैंड दबाव में आ गया, लेकिन मोहम्मद सिराज का दुर्भाग्यपूर्ण आउट होना, जहां गेंद पिच पर पड़ने के बाद वापस स्टंप्स की ओर घूम गई, ने लाखों दिलों को आहत किया और भारत 170 रनों पर ढेर हो गया। भारत श्रृंखला में 1-2 से पीछे है।

भारतीय फुटबॉल की वर्तमान स्थिति को लेकर सुनील छेत्री ने जताई चिंता, आईएसएल के रुकने पर दिया बयान

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम के स्टार खिलाड़ी और कप्तान सुनील छेत्री ने भारतीय फुटबॉल की वर्तमान स्थिति पर चिंता जताई है। हालांकि, उन्हें उसमें सुधार की उम्मीद भी दिख रही है। बता दें कि, शीर्ष स्तर के फुटबॉल टूर्नामेंट इंडियन सुपर लीग यानी ढ्ढस्रुको अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किए जाने से खेल जगत चिंतित, आहत और डरा हुआ है। लीग में बेंगलुरु एफसी की ओर से खेलने वाले छेत्री ने कहा कि, उन्हें देश में इस खेल के भविष्य को लेकर आशंकाएं व्यक्त करने वाले फोन कॉल और संदेशों की बाढ़ आ गई है। 40 वर्षीय दिग्गज ने एक्स पर लिखा कि, मुझे सबसे पहले ये चिंता हुई कि मेरे पास खेल का जो समय बचा है उसको मैं कैसे बिताऊंगा। लेकिन कई क्लबों के खिलाड़ियों से बात करने के बाद मुझे एहसास हुआ कि मेरी समस्या उतनी अहम नहीं है। भारतीय फुटबॉल की वर्तमान स्थिति बहुत चिंताजनक है। मुझे न केवल मेरे क्लब से, बल्कि अन्य क्लबों से भी खिलाड़ियों, स्टाफ सदस्यों, फिजियो, मालिश करने वालों से ढेर सारे संदेश मिले हैं। छेत्री ने कहा कि, भारतीय फुटबॉल पारिस्थितिकी तंत्र में अभी जो अनिश्चितता की स्थिति बनी हुई है उससे हर कोई चिंतित, आहत और डरा हुआ है। आईएसएल ने आयोजकों और अखिर भारतीय फुटबॉल महासंघ के बीच मास्टर राइट्स एग्रीमेंट के नवीनीकरण को लेकर अनिश्चितता के कारण 2025-26 के सत्र को स्थगित कर दिया है।

मैं एक एक्टर हूं और मुझे जो रोल मिला है, मैं उसे निभा रहा हूं

टीवी की दुनिया में दोबारा लौटे शरद केलकर इन दिनों अपने नए शो 'तुम से तुम तक' को लेकर चर्चा में हैं। शो में उनका किरदार 46 साल के एक बिजनेस मैन का है, जो 19 साल की लड़की (निहारिका चौकसे) से प्यार करता है। इस 27 साल की उम्र के फासले को लेकर उनकी सोशल मीडिया पर काफी आलोचना हो रही है। इस बारे में शरद केलकर का क्या कहना है?
सोशल मीडिया ऐसा प्लेटफॉर्म बन गया है जहां हर कोई अपनी राय थोपता है
अमर उजाला डिजिटल से बातचीत के दौरान शरद केलकर ने नए सीरियल को लेकर हो रही आलोचना, विवाद पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, आजकल सोशल मीडिया ऐसा प्लेटफॉर्म बन गया है जहां हर कोई अपनी राय थोपता है। किसी को कुछ पसंद आता है, किसी को नहीं, इससे ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। शरद केलकर आगे कहते हैं, मैं एक एक्टर हूं और मुझे जो रोल मिला है, मैं उसे निभा रहा हूं। अगर यही चीज रियल लाइफ में होती, तब भी शायद मुझे फर्क नहीं पड़ता। ये सिर्फ एक किरदार है, कोई असल जिंदगी की कहानी नहीं।

फोन का सही इस्तेमाल कीजिए

शरद ने आलोचकों को सलाह देते हुए कहा, आपके परिवार ने मुश्किल से आपको मोबाइल फोन दिलाया है, तो उसका सही इस्तेमाल कीजिए। कुछ अच्छा कीजिए, पॉजिटिव सोचिए। सोशल मीडिया पर निगेटिव बातें फैलाने से किसी का भला नहीं होता।

इंसान पहले नेगेटिव चीज़ों की तरफ आकर्षित होता है

शरद केलकर के अनुसार, ये इंसान की फितरत है कि वह पहले नेगेटिव चीजों की तरफ आकर्षित होता है। लेकिन हमें सोचना चाहिए कि हम अपनी जिंदगी में पॉजिटिव रहना चाहते हैं या नेगेटिविटी में उलझे रहना चाहते हैं।

कहानी सिर्फ रोमांस नहीं, सोच का टकराव भी दिखाती है

शरद यह भी बताते हैं कि शो के मेकर्स का कहना है कि 'तुम से तुम तक' सिर्फ एक लव स्टोरी नहीं है, बल्कि यह दो पीढ़ियों की सोच, समाज की मानसिकता और रिश्तों की जटिलताओं को भी सामने लाता है। उम्र के फासले पर उठ रहे सवालों को लेकर मेकर्स जल्द ही प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपनी बात रखेंगे।

रिलेशनशिप में मिले इन अनुभवों से शादी से डरती हैं श्रुति हासन

अभिनेत्री श्रुति हासन अक्सर अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि उन्हें शादी से बहुत डर लगता है। साथ ही आपको बताते चलें कि अभिनेत्री पहले शांतनु हजारिका के साथ रिलेशनशिप में थीं। एक्ट्रेस ने बताया कि वह शादी के बंधन में बंधने के करीब पहुंच गई थीं, लेकिन कुछ ऐसा हुआ जिसकी वजह से उनकी शादी टूट गई।

वो मेरी गलती नहीं थी

श्रुति हासन हाल ही में अपने रिलेशनशिप और निजी जिंदगी के बार में बात कीं। एक्ट्रेस ने अपने पुराने ब्रेकअप के बारे में बात करते हुए कहा कि किसी कारण वश उनका पुराना रिश्ता टूट गया, जिसमें उनकी कोई गलती नहीं थी। वह एक बेमेल रिश्ता था। इसके साथ ही उन्होंने स्वीकार किया कि उन्हें शादी से डर लगता है।

बच्चों को अपनाऊंगी

आगे बातचीत में उन्होंने कहा, 'मैं मनोवैज्ञानिक स्तर पर बच्चों को अपनाऊंगी। मैं अपने जीवन में लोगों को परेशान करना और उन्हें जरूरत से ज्यादा ख्याल करना बंद कर दूंगी। एक ऐसे व्यक्ति का साथ दूंगी, जो वास्तव में इसका हकदार है। मुझे लोगों को और अपने दोस्तों को अपने जीवन में बदलते और बढ़ते देखना बहुत पसंद है। मैं यह देखना पसंद करूंगी कि ऐसा उस व्यक्ति के साथ हो जो मुझसे गहराई से जुड़ा हुआ हो।' आगे श्रुति हासन ने बताया कि वह सिंगल हैं और खुद से सबसे ज्यादा प्यार करती हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वह अकेलेपन को अपनाने की कोशिश कर रही हैं और इसे वह अकेलापन कहना पसंद नहीं करतीं, क्योंकि उन्होंने देखा है कि लोग सिर्फ अकेलेपन के डर से रिश्ते चुनते हैं।

श्रुति हासन का वर्कफ्रंट

श्रुति हासन के करियर फ्रंट की बात करें तो वह इस साल दो तमिल फिल्मों में नजर आएंगी। एक फिल्म रजनीकांत की 'कुली' है, वहीं दूसरी फिल्म का नाम 'ट्रेन' है। वह प्रभास के साथ एक फिल्म सालार 2 भी कर रही हैं, इस फिल्म को लेकर काफी चर्चा है।

कार्तिक और अनन्या की फिल्म से जुड़े जैकी श्रॉफ

कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे अपकमिंग फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी में एक साथ काम कर रहे हैं। फिल्म की शूटिंग जारी है। ऐसे में अब इस फिल्म से जाने माने अभिनेता जैकी श्रॉफ भी जुड़ गए हैं। इसकी जानकारी कार्तिक आर्यन ने खुद अपनी एक इंस्टाग्राम पोस्ट से दी है।
कार्तिक आर्यन ने शेयर किया वीडियो
कार्तिक आर्यन ने एक वीडियो के जरिए बताया है कि उनकी फिल्म में जैकी श्रॉफ की एंट्री हुई है। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर सेट से एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि कार्तिक और जैकी एक गाने पर मजे कर रहे हैं। जैकी श्रॉफ ने टोपी और चश्मा लगाया है। वह दर्शकों को फ्लाइंग किस दे रहे हैं। इससे पहले फिल्म के निर्माताओं ने फिल्म के सेट से कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे का पहला लुक जारी किया था। पोस्टर में नजर आ रहा था कि दोनों ने अपने हाथ में पासपोर्ट लिया हुआ था और समुद्र के किनारे एक दूसरे को किस कर रहे थे। पोस्टर से लग रहा था कि यह फिल्म रोमांटिक होने वाली है।

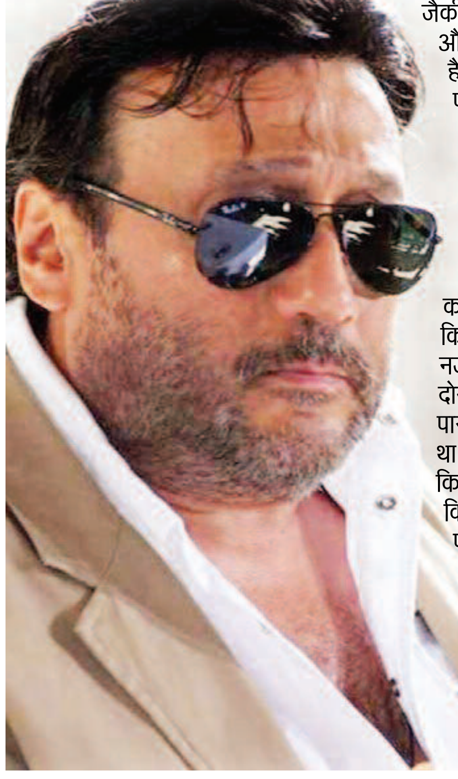

सार्थक प्रतिनिधित्व पर जियोर्जिया एंड्रियानी ने की बात

हाल ही में अभिनेत्री जियोर्जिया एंड्रियानी ने सिनेमा में महिलाओं के चित्रण विशेष रूप से भारतीय फिल्मों के सदाबहार डांस नंबर्स को लेकर एक महत्वपूर्ण चर्चा की शुरुआत की है। अपने काम के प्रति विचारशील दृष्टिकोण के लिए जानी जाने वाली जियोर्जिया ने यह स्पष्ट किया कि नारीत्व का उत्सव मनाना और महिलाओं को केवल आकर्षण का साधन बनाना, दोनों में बुनियादी अंतर है। उनके विचारों ने यह उजागर किया कि फिल्म इंडस्ट्री किस तरह मनोरंजन और महिलाओं के प्रति सम्मानजनक प्रस्तुति के बीच संतुलन बना सकती है। डांस सीक्वेंस और सिनेमा में महिलाओं की भूमिका पर खुलकर बोलते हुए जियोर्जिया ने एक संतुलित और सूक्ष्म नजरिया पेश किया। जिसने इस मुद्दे की जटिलता को स्वीकार किया। उन्होंने बताया, एक सीन को किस सोच के साथ गढ़ा गया है और उसे कैसे जीवंत किया गया है, यही सबसे अहम होता है। जब सही तरीके से किया जाए, तो डांस नंबर्स बेहद सशक्त हो सकते हैं और महिलाओं की खूबसूरती, आत्मविश्वास और ताकत का उत्सव बन सकते हैं। मैं ऐसे प्रोजेक्ट्स की ओर आकर्षित होती हूँ जो किसी महिला के केवल शारीरिक रूप-रंग के बजाय उसकी आंतरिक शक्ति और आत्मविश्वास को उजागर करते हैं।
उनकी यह सोच इस बात पर ज़ोर देती है कि दर्शकों को स्क्रीन पर सिर्फ़ जो दिखता है, उससे आगे जाकर यह भी समझना ज़रूरी है कि उस रचनात्मक निर्णय के पीछे का उद्देश्य और संदेश क्या है। अभिनेत्री ने महिलाओं के साथ सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित करते हुए कलात्मक अखंडता बनाए रखने वाली परियोजनाओं का हिस्सा बनने की अपनी प्रतिबद्धता पर ज़ोर दिया।
उन्होंने कहा, मैं ऐसी भूमिकाएँ चुनने में विश्वास करती हूँ जो सिनेमा में कुछ सार्थक योगदान दें। जब कहानी कहने के पीछे सच्ची मंशा हो, तो मनोरंजन और सम्मान खूबसूरती से एक साथ रह सकते हैं। फिल्म इंडस्ट्री समाज की सोच को आकार देने की ताकत रखती है और मैं उस सकारात्मक बदलाव का हिस्सा बनना चाहती हूं।

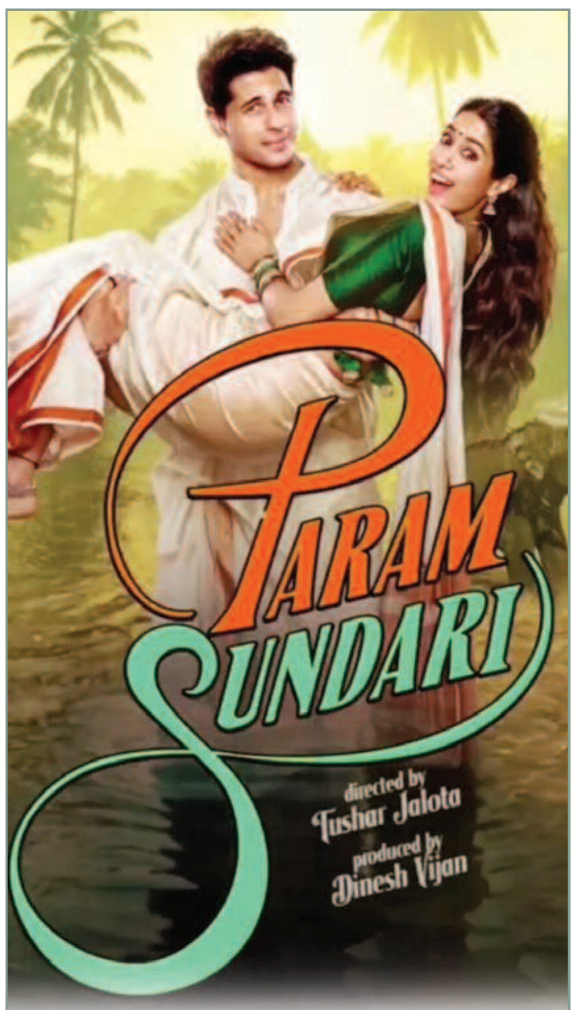

25 जुलाई को रिलीज होगी सिद्धार्थ-जान्हवी की 'परम सुंदरी'

सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर की फिल्म 'परम सुंदरी' का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। कई रिलीज डेट टलने के बाद फिल्म को लेकर अब एक नई अपडेट सामने आई है। जिससे ये पता चलता है कि ये रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म कब रिलीज होने वाली है।

फिर आगे बढ़ी 'परम सुंदरी' की रिलीज

जब फिल्म का टीजर जारी किया गया था तब फिल्म की रिलीज डेट 25 जुलाई बताई गई थी। लेकिन अब तक फिल्म के आगे की कोई जानकारी सामने न आने के बाद अब फिल्म को लेकर एक नई अपडेट सामने आई है। राजकुमार राव की 'मालिक' के साथ 'परम सुंदरी' का टीजर दिखाया गया। इसके साथ ही ये साफ हो गया कि एक बार फिर सिद्धार्थ और जान्वही की इस रॉम-कॉम की रिलीज डेट आगे बढ़ गई है।

जुलाई नहीं अब अगस्त में आएगी 'परम सुंदरी'

'परम सुंदरी' का पहला लुक राजकुमार राव और मानुषी छिल्लर की फिल्म 'मालिक' के थिएटर प्रिंट्स के साथ जारी किया गया है। इसमें फिल्म की रिलीज आगे बढ़ने की जानकारी भी सामने आई है। इस लुक में लिखा गया है कि 'परम सुंदरी' इस अगस्त में दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इससे स्पष्ट है कि 25 जुलाई को रिलीज होने वाली 'परम सुंदरी' अब अगस्त में रिलीज होगी। हालांकि, अभी फिल्म की नई रिलीज डेट का एलान नहीं किया गया है।

मई में जारी हुआ था फिल्म का टीजर

'परम सुंदरी' का टीजर मई में जारी किया गया था। इसमें सिद्धार्थ मल्होत्रा को नॉर्थ के लड़के परम और जान्हवी कपूर को साउथ की लड़की सुंदरी के रूप में दिखाया गया था। साथ ही टीजर में सोनू निगम की आवाज में गाने की कुछ लाइन्स भी सुनाई देती हैं। इस टीजर को काफी पसंद किया गया था। इसके सामने आने के बाद फैंस फिल्म के लिए उत्साहित हैं। टीजर में फिल्म की रिलीज डेट 25 जुलाई बताई गई थी।

मैडॉक फिल्म ने किया 'परम सुंदरी' का निर्माण

'परम सुंदरी' का निर्माण मैडॉक फिल्म्स ने किया है। फिल्म में नॉर्थ और साउथ के लड़के-लड़की की प्रेम कहानी को दिखाया गया है। इस फिल्म का निर्देशन तुषार जलोटा ने किया है। फैंस को अब फिल्म की नई रिलीज डेट का इंतजार है।

मीना कुमारी और मधुबाला की बायोपिक करना चाहती हैं तृप्ति

तृप्ति डिमरी जल्द ही सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ 'धड़क 2' में नजर आएंगी। हाल ही में उन्होंने खुलासा किया कि वो मधुबाला या मीना कुमारी जैसी आइकॉनिक शख्सियतों की बायोपिक करना चाहती हैं। बातचीत में अभिनेत्री ने यह भी बताया कि 'लैला मजनू' की असफलता ने उन्हें निराश किया था, लेकिन 'बुलबुल' की सफलता ने उनका आत्मविश्वास दोबारा लौटा दिया।

'धड़क 2' को लेकर आप कितनी उत्साहित हैं? क्या सीक्वल फिल्म में काम करने का अलग प्रेशर होता है?

मैं बहुत उत्साहित हूं, क्योंकि यह फिल्म मेरे दिल के बहुत करीब है। सीक्वल में काम करना अपने आप में एक अलग अनुभव होता है, लेकिन मेरे हिसाब से प्रेशर लेना या न लेना, ये पूरी तरह व्यक्ति पर निर्भर करता है। मैं दबाव नहीं लेती। मेरा मानना है कि जब आप दबाव में काम करते हैं, तो चीजें बिगड़ने लगती हैं। असली जादू तब होता है जब आप बिना किसी दबाव के पूरी ईमानदारी से और अपने डायरेक्टर व टीम पर भरोसा रखते हुए काम करें। शूटिंग के दौरान हमने हर दिन को सहजता से लिया, एक-दूसरे पर भरोसा रखा और दिल से काम किया। शायद इसी वजह से स्क्रीन पर भी सब कुछ दिल से जुड़ा हुआ लगता है।

आपके दिल में कौन-सा रोल करने की तमन्ना है? कोई ऐसा सपना जो आप पर्दे पर जीना चाहती हों?

ऐसे बहुत सारे रोल हैं जो मैं करना चाहती हूं। लेकिन अगर खास तौर पर कहूं तो मुझे अब एक्शन करना है। अभी तक कभी एक्शन नहीं किया और मुझे लगता है कि वो एक ऐसा जॉनर है जिसमें बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। आप अपनी बॉडी का इस्तेमाल करते हैं, फाइट सीक्वेंस होते हैं। उस जोन में काम करना फिजिकली और मेंटली दोनों तरह से डिमांडिंग होता है।

आज के दौर में ग्रे और निगेटिव किरदारों को खूब सराहा जाता है। क्या ऐसे रोल एक एक्टर को खुद को साबित करने का ज्यादा मौका देते हैं?

काजोल मैम ने गुप्त में कमाल का काम किया था। अगर उस तरह का कोई रोल मिले, तो मैं जरूर करना चाहूंगी। अब वो जमाना नहीं रहा जब निगेटिव रोल्स को सिर्फ विलेन समझा जाता था। आज के दौर में अगर आप एक ग्रे या निगेटिव कैरेक्टर को गहराई और सच्चाई के साथ निभाते हैं, तो ऑडियंस उसे अलग तरह से तारीफ करते हैं।

क्या कोई बायोपिक करने की भी ख्वाहिश है?

बहुत, मैं बायोपिक जरूर करना चाहती हूं। मैं मीना कुमारी जी और मधुबाला जी की बहुत बड़ी फैन हूं। अगर उनकी जिंदगी पर कोई बायोपिक बन रही हो और मुझे उसमें मौका मिले, तो वो मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा होगा।

आपने कॉलेज स्टूडेंट का रोल निभाया। क्या शूटिंग के दौरान कोई पल आपको अपने कॉलेज के दिनों की याद दिला गया?

कई बार,जब हम क्लासरूम में शूट कर रहे थे, तो ऐसा लगता था कि सच में कॉलेज में बैठे हैं। हमें डायरी मिलती थी, हम क्लासरूम में बैठते थे और वो सारे पुराने गेम्स खेलने लगते थे जैसे नेम प्लेस, एनिमल, थिंग – जो हम बचपन में खेलते थे। उस समय कॉलेज की बहुत सी यादें ताजा हो गईं। पूरी यूनिट ने ये कोशिश की कि एक रियल कॉलेज गैंग जैसा माहौल बने, वही मस्ती, वही एनर्जी। जबकि फिल्म का टोन सीरियस है, लेकिन पर्दे के पीछे हम सब बहुत हंसी-मजाक कर रहे थे। वो मजा अलग ही था।

'धड़क 2' जैसे विषयों की बात करें, क्या रियल लाइफ में आपने कभी किसी ऐसे अनुभव के बारे में सुना या देखा है?

मैंने खुद ऐसा अनुभव नहीं किया, लेकिन कई किस्से सुने हैं दोस्तों से, जानने वालों से। जैसे एक बार किसी की शादी में उनके रिश्तेदार नहीं गए, सिर्फ इसलिए कि वो इंटरकास्ट मैरिज थी। उस समय शायद किसी ने ज्यादा सवाल भी नहीं उठाया। बस कहा गया अरे अलाउड नहीं होगा और बात खत्म। लेकिन अब वक्त बदल गया है। अब हम पूछते हैं क्यों अलाउड नहीं होगा? और मुझे लगता है कि ये सवाल उठाना बहुत जरूरी है। यही 'धड़क 2' जैसी फिल्मों की जरूरत भी है। क्योंकि हम सोचते हैं कि ऐसी चीजें तो अब नहीं होतीं, लेकिन हकीकत ये है कि आज भी और वो भी सिर्फ गांवों में नहीं बल्कि पढ़े-लिखे शहरों में, ये सब होता है।

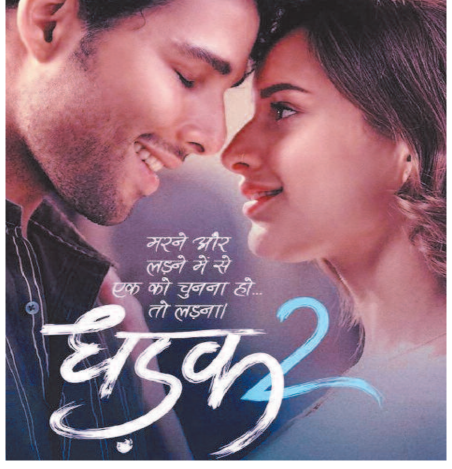

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 2442 42 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I.No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327 , E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।